देशबन्धु

वर्ष –10 | अंक–127 | सागर, बुधवार 25 जून 2025 | पृष्ठ–8 | मूल्य – 2.00 रुपए

वाराणसी में शाह की अध्यक्षता में हुई मध्यक्षेत्रीय परिषद की बैठक, मध्यप्रदेश, उत्तप्रदेश सहित 4 राज्यों के मुख्यमंत्री हुए शामिल

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को वैश्विक मंच पर दी नई पहचानः डॉ. यादव

दुनियाभर में भारतीयों की ढाल बनी सरकार

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने न केवल आंतरिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी भारत की आवाज़ को निर्णायक और सम्मानजनक मान्यता मिली है। ऑपरेशन सिंदूर इस बात का प्रतीक है कि भारत अब अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और प्रतिष्ठा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह विश्वास दिलाया है कि हर भारतीय, चाहे वो कहीं भी हो, भारत सरकार उसकी ढाल बनकर खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को वाराणसी में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में सहभागिता कर संबोधित

कर रहे थे। बैठक में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित उक्त राज्यों के मुख्य सचिव, केंद्र सरकार एवं संबंधित राज्य के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज भारत विकसित भारत 2047 के जिस मार्ग पर चल रहा है, उसमें राज्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नीति आयोग, मुख्यमंत्री परिषद् और क्षेत्रीय परिषद जैसे संस्थागत तंत्र ने इन्हें केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि समाधान का माध्यम बनाया है। हमें सिखाया गया है कि विचारधाराएँ अलग हो सकती हैं, लेकिन देश का भविष्य साझा है; दृष्टिकोण भिन्न हो सकते हैं, लेकिन लक्ष्य एक सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर भारत होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह क्षेत्रीय परिषद केवल प्रशासनिक विचार-विमर्श का मंच नहीं, बल्कि सहकारी संघवाद की जीवंत अभिव्यक्ति है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में है लेकिन उसकी गति, उसका विकास टीम इंडिया की भावना में निहित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की धरती काशी में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक का आयोजन हो रहा है। हमारा सौभाग्य है कि हम भगवान श्रीराम, आराध्य श्रीकृष्ण की जन्मस्थली और भगवान शिव के प्रिय निवास स्थान उत्तर प्रदेश की पुण्यभूमि पर एकत्रित हुए हैं। भारत के फेडरल स्ट्रक्चर को केवल संवैधानिक प्रावधान नहीं बल्कि संवेदनशील नेतृत्व और संकल्प की शक्ति ही जीवंत बनाती है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में देखा गया है कि चाहे आपदा प्रबंधन हो, आंतरिक सुरक्षा या अधोसंरचना विकास, जब राज्य एकजुट होकर कार्य करते हैं, तो भारत की गति दोगुनी हो जाती है।

प्रदेश सरकार की उपलब्धियों से कराया अवगत

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की उपलब्धियों और विकास संबंधी जानकारियां प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि प्रदेश के अधिकारी एवं कर्मचारी की 9 वर्षों से पदोन्नतियां रुकी हुई थीं। ऐसी स्थिति में राज्य शासन की कार्य दक्षता एवं कर्मचारियों की पदोन्नति कर्मचारियों की नवीन नियुक्तियां एवं लोक सेवकों के मनोबल पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा था। इसका निराकरण करते हुए मध्यप्रदेश में लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 स्वीकृत किए गए हैं। जिससे प्रदेश के 5 लाख कर्मचारियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। पदोन्नति से जो 2 लाख पद खाली होंगे उनसे सीधी भर्ती के पदों पर नवीन नियुक्तियां की जा सकेगी। इस ऐतिहासिक निर्णय से शासकीय कर्मचारी के मनोबल में वृद्धि होगी एवं राज्य शासन की कार्य दक्षता बढ़ेगी।

विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा, यह सत्र 8 अगस्त तक चलेगा। आज इस सत्र की अधिसूचना जारी कर दी गई। सत्र में सरकार विधेयकों के साथ अनुपूरक बजट भी पेश करेगी। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के समक्ष पिछले साल अधिकारियों के साथ बैठक कर विधानसभा की कार्यवाही को ई विधान से जोड़ने का फैसला किया गया था। ऐसे में 28 जुलाई से होने वाले सत्र में विधायकों को टैबलेट दिए जा सकते हैं। इसमें सदन से संबंधित सभी जानकारी के साथ प्रश्नोत्तरी, प्रदेश सरकार का बजट, विभागीय प्रतिवेदन समेत अन्य जानकारी डिजिटल फार्मेट में उपलब्ध रहेगी। यह सोलहवीं विधानसभा का छठवां सत्र होगा। विधानसभा के प्रमुख सचिव ए पी सिंह के अनुसार 12 दिवसीय सत्र के दौरान 10 बैठकें होंगी। सत्र के लिए अशासकीय विधेयकों की सूचनाएं 9 जुलाई, संकल्पों की सूचनाएं 17 जुलाई, स्थगन ध्यानाकर्षण की सूचनाएं 22 जुलाई से प्राप्त की जा सकेगी।

13 अनुबंधों को अंतिम रूप दिया गया

1981 करोड़ के हथियारों की होगी आपात खरीद

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाओं को अत्याधुनिक हथियारों से लैस करने और आतंकवाद रोधी अभियानों में सेना की संचालन तथा मारक क्षमता को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आपात खरीद प्रणाली के तहत 1981 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक हथियारों की खरीद के 13 अनुबंधों को अंतिम रूप दिया है।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि सेना के लिए आपात खरीद मद के तहत 2,000 करोड़ की राशि स्वीकृत की गयी थी। आपात खरीद प्रणाली के तहत सेना के लिए एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन और इंटरडिक्शन सिस्टम (आईडीडीआईएस), लो लेवल लाइटवेट रडार (एलएलएलआर), बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस) – लॉन्चर और मिसाइल, रिमोटली पायलटेड एरियल व्हीकल (आरपीएवी), वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (वीटीओएल), सिस्टम सहित लोइटरिंग म्यूनिशन, विभिन्न श्रेणियों के ड्रोरन, बुलेट प्रूफ जैकेट (बीपीजे), बैलिस्टिक हेलमेट, क्विक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल (क्यूआरएफवी) – भारी और मध्यम और राइफलों के लिए नाइट साइट्स जैसे हथियार और उपकरण खरीदे जायेंगे। आपात खरीद प्रणाली के तहत त्वरित प्रक्रियाओं के माध्यम से की जाने वाली खरीद का उद्देश्य आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के लिए स्थितिजन्य जागरूकता, मारक क्षमता, गतिशीलता और सुरक्षा को बढ़ाना है। तेजी से क्षमता वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अधिग्रहण को कम से कम समयसीमा के भीतर पूरा किया गया है।

यह खरीद रक्षा मंत्रालय की सेना को उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए आधुनिक, मिशन-महत्वपूर्ण और पूरी तरह से स्वदेशी प्रणालियों से लैस करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। रक्षा मंत्रालय इससे पहले भी कई बार आपात खरीद प्रणाली के तहत सेनाओं के लिए खरीद कर चुका है।

वंदेभारत एक्सप्रेस में ऊपरी सतह से गिरने लगा पानी, यात्री हुए परेशान

वाराणसी, एजेंसी। देश की चर्चित सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन एक बार फिर सुर्खियों में है. वाराणसी से दिल्ली जा रही एक वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की कोच में ही ऊपरी सतह से पानी गिरने से यात्री परेशान हुए। उन्होंने रेलवे से इसकी शिकायत भी की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस असुविधा को लेकर यात्रियों की तरफ़ से की गई शिकायत के बाद स्टेशन डायरेक्टर ने मामले पर संज्ञान लेते हुए टेक्निकल डिपार्टमेंट से पूरी स्थिति से संबंधित रिपोर्ट मांगा है और कोच की इस गड़बड़ी को सही कराने के दिशा निर्देश दिए है.

रेल यात्री किराये में बढ़ोतरी की तैयारी

1 जुलाई से हो सकती है लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे के लंबी दूरी के यात्री किरायों में एक जुलाई से मामूली वृद्धि हो सकती है। सूत्रों ने आज यहां बताया कि भारतीय रेलवे ने एक जुलाई से मेल एक्सप्रेस गाड़ियों के स्लीपर श्रेणी के किराये में एक पैसा प्रति किलोमीटर तथा वातानुकूलित श्रेणियों में दो पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि करने की तैयारी कर ली है। सूत्रों के अनुसार साधारण अनारक्षित श्रेणी के टिकट की दरों में 500 किलोमीटर तक की दूरी की यात्रा के लिए कोई वृद्धि नहीं होगी जबकि 500 किलोमीटर से अधिक की दूरी के लिए किराए की दर आधा पैसा प्रति किलोमीटर बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है।

इसी प्रकार से उपनगरीय और मासिक या त्रैमासिक सीजन टिकट की दरों में कोई वृद्धि नहीं की जाएगी। इससे पहले रेलवे के यात्री किरायों में वर्ष 2014 में वृद्धि की गई थी। सभी श्रेणियों के यात्री किराए में 14.2 प्रतिशत और माल भाड़े में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी जो उस साल 25 जून से प्रभावी हो गई थी। वर्ष 2019 में मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में अनारक्षित श्रेणी में यात्रियों को प्रति किलोमीटर 2 पैसे बढ़ाए गए थे। स्लीपर श्रेणी के किराये में 2 पैसे और प्रथम श्रेणी के किराए में भी 2 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। साधारण ट्रेनों के द्वितीय श्रेणी के किराये में प्रति किलोमीटर 01 पैसे और स्लीपर श्रेणी के लिए भी किराए में 01 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी। जबकि प्रथम श्रेणी के किराए में 1 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी। सभी वातानुकूलित श्रेणियों में एक समान 04 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई थी। यह वृद्धि जनवरी 2020 से लागू हुई थी।

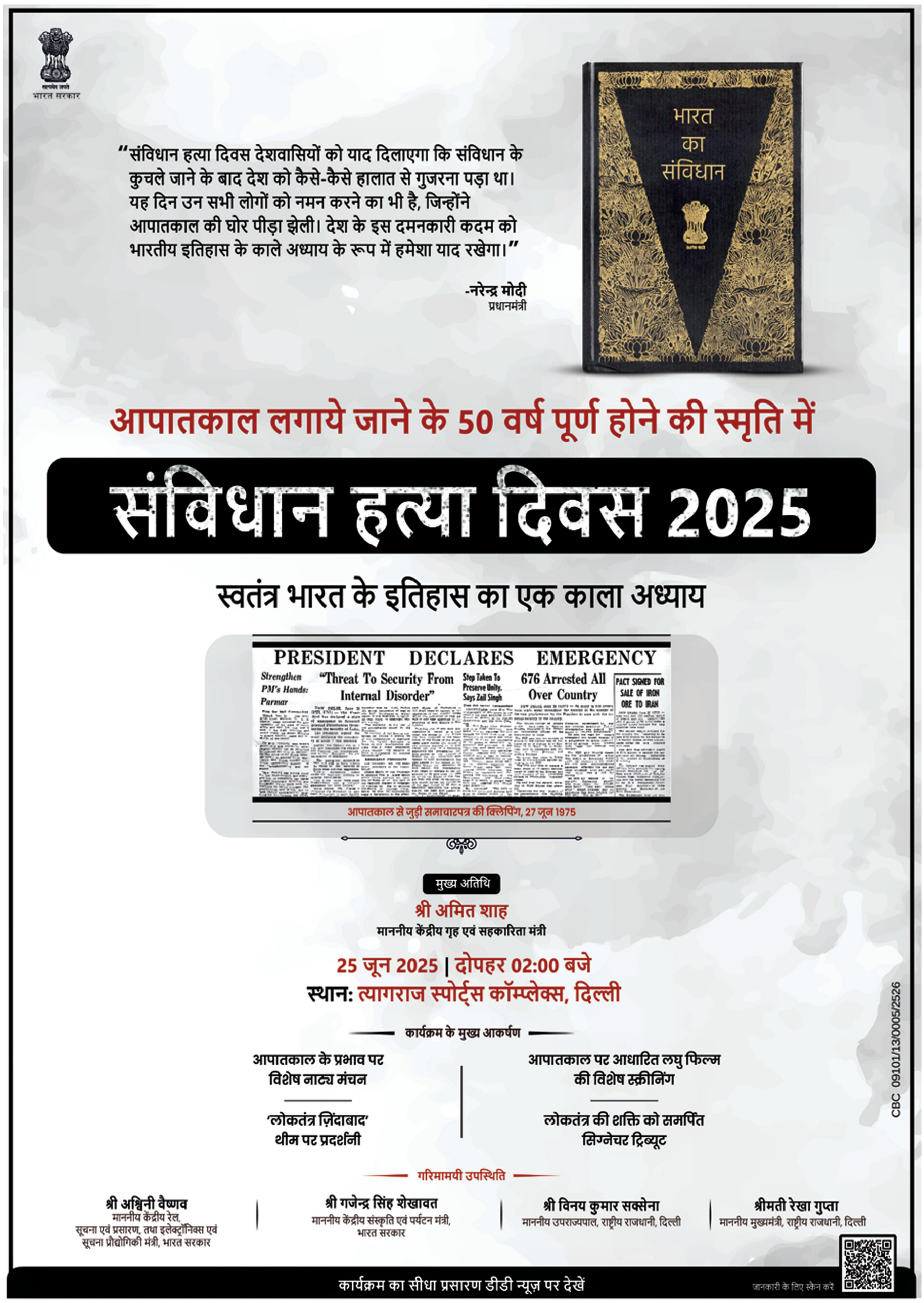

सहायक संचालक ने विद्यार्थियों को दी अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा

बण्डा, देशबन्धु। मंगलवार को सहायक संचालक सृष्टि जैन ने बण्डा क्षेत्र के पीएम श्री शास. उच्च. माध्य. विद्यालय बहरोल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक, भौतिक एवं अनुशासनात्मक व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और छात्रों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा दी। निरीक्षण के दौरान सृष्टि जैन ने विद्यालय के कक्षा, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल मैदान तथा शौचालय आदि का निरीक्षण करते हुये संबंधित शिक्षकों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय परिसर की साफ सफाई और हरियाली की सराहना की। इसके साथ

ही उन्होंने छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुये शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों से अपील की कि वे प्रतिदिन समय पर विद्यालय आयें, नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित रहें और अनुशासन का पालन करें। उन्होंने विशेष रूप से उन छात्रों को भविष्य में यूनिफॉर्म में ही स्कूल आने की सख्त हिदायत दी, जो बिना यूनिफॉर्म के उपस्थित थे। यूनिफॉर्म केवल ड्रेस कोड नहीं, बल्कि एकता और समानता का प्रतीक है। निरीक्षण के दौरान विद्यालय स्टाफ और विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सहायक संचालक की प्रेरक बातों ने छात्रों में नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छता, अनुशासन और कड़ी मेहनत की आदत डालने की सलाह दी और बताया कि यही गुण उन्हें जीवन में सफलता की ओर ले जायेंगे। निरीक्षण उपरांत विद्यालय परिसर में सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सहायक संचालक के साथ विद्यालय के प्राचार्य सौरभ चौरसिया, शिक्षक पं. अवधेश शर्मा, अरविंद दुबे, विष्णु कुशवाहा, दीपक पटैल, रेखलाल चौहान सहित समस्त स्टाफ ने भाग लिया। सभी ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाये और उन्हें संरक्षण का संकल्प लिया।

सागोनी सेवा सहकारी समिति का जर्जर भवन हादसे को दे रहा आमंत्रण

मालथौन, देशबन्धु। जिले के बांदरी तहसील के ग्राम पंचायत सागोनी के सेवा सहकारी समिति का भवन कभी भी बरसात में धरासाई हो सकता है। इस भवन से किसानो को खाद एवं गरीबो को राशन वितरण होता आ रहा है। इधर किसानों का आना जाना भी दिनभर रहता है और अब बारिश का समय भी आ गया है ऐसी परिस्थिति मे भवन की क्या जवाब देही होगी। इस और जिम्मेदार कब ध्यान देंगे। इस पर कई बार समाचार पत्रों के माध्यम से इसकी स्थिति भी जाहिर की जा चुकी है। फिर भी इस भवन मे किसान और कर्मचारी बैठने को मजबूर है। अधिकारियों की जानकारी में भी यह बात है पर बैठना इसी भवन मे पड़ता है। एक और कलेक्टर ऐसे जर्जर भवनों को चिन्हित कर उन पर कार्यवाही कर रहे है दूसरी स्थानीय अधिकारियों की नजरो से दूर हैं जर्जर भवन। किसान राजेश तिवारी बोबई बताते है की भवन के अंदर बैठने से डर लगता है भवन कभी भी धरासाई हो सकता है जिम्मेदार कब ध्यान देंगे इस और, नये भवन के लिये कई बार अधिकारी जगह तो स्वीकृत कर चुके है पर अभी तक काम नहीं लग पाया है, किसान रामनारायण चौबे, गोविन्द सिंह, ठलु सिंह सागोनी बताते है की इस भवन की जगह खाद राशन वितरण और कही करने की व्यवस्था करे शासन जब तक नया भवन नही बन जाता और यदि हादसा हो जाता है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।

हत्या के प्रयास के 2 आरोपी और एक बाल अपचारी को किया गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। 17 अप्रैल को फरियादी राजा उर्फ राजेश निवासी परसोरिया थाना सनौधा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि वह एक बारात में शामिल था, जहां डीजे पर पसंदीदा गाना बजाने को लेकर तीन लड़कों से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने फरियादी पर जान से मारने की नीयत से पेट एवं कूल्हे पर चाकू से हमला कर दिया। इस गंभीर वारदात पर थाना शाहगढ़ में अपराध क्र. 95/2025 धारा 109, 296, 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर तत्काल विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अति. पुलिस अधीक्षक संजीव उइके तथा एसडीओपी बंडा प्रदीप बाल्मीकि के मार्गदर्शन में थाना शाहगढ़ पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये मनीष पिता करण अहिरवार, 19 वर्ष, नीतेश पिता नारायण अहिरवार 21 वर्ष दोनों निवासी ग्राम गठौला जागीर थाना खुरई, एक बाल अपचारी बालक गिरफ्तार शुदा आरोपियों को न्यायालय शाहगढ़ एवं बाल अपचारी को बाल न्यायालय में पेश कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही में उनि संदीप खरे थाना प्रभारी शाहगढ़, उनि अरविंद ठाकुर चौकी प्रभारी हीरापुर, लोकविजय, दिनेश, सुरेन्द्र, मुकेश, आदित्य नायक, बॉबी, मनीषा, साइबर सेल से सौरभ एवं हाकिम सिंह थाना खुरई ग्रामीण शामिल रहे।

शासकीय प्राथमिक शाला की छत का प्लास्टर गिरने की घटना का निरीक्षण कर एसडीएम को सौंपी रिपोर्ट

सागर, देशबन्धु। शास. प्राथ. शाला मदनपुरा संकुल केन्द्र शास. उच्च. माध्य. विद्यालय छिरारी विकासखण्ड रहली में मंगलवार लगभग सुबह 11. 30 बजे विद्यालय भवन के अध्यापन कक्ष जिसमें बच्चे अध्यापन कार्य कर रहे थे। उक्त कक्ष की छत का प्लास्टर अचानक गिर जाने से बच्चों को सामान्य चोटे आई है। तथा 2 छात्राओं के सिर में चोट आई है। जिनका ईलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र रहली में कराया गया है तथा वर्तमान में दोनो छात्रायें सुरक्षित है और अपने गृह निवास पर है। इस संदर्भ में प्रथम दृष्टया स्थल निरीक्षण करने पर पाया कि अध्यापन कक्ष जहां का प्लास्टर गिरा है उक्त कक्ष में पूर्व में भी कुछ दिन पहले प्लास्टर गिर चुका है। परन्तु संस्था प्रभारी द्वारा लापरबाही बरतते हुये उसी कक्ष में अध्यापन कार्य कराया जा रहा था। इस संदर्भ में विद्यालय के स्थल निरीक्षण में यह भी ज्ञात हुआ कि बीआरसी रहली में पदस्थ संबंधित उपयंत्री राजेन्द्र वैध द्वारा समय पर सचेत तथा घटना स्थल का निरीक्षण न करने के कारण ही इस प्रकार की घटना घटित हुई है। सर्वविदित है कि विगत सप्ताह से लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है जिसके कारण भवन लगातार जीर्णशीर्ण हो रहे है। उचित होता कि संबंधित उपयंत्री राजेन्द्र वैध द्वारा अपने कर्तव्य का निर्वाहन करते हुये उक्त भवन को जीर्णशीर्ण चिन्हित कर अध्यापन हेतु उपयोग के लिये प्रतिबंधित करना था। परन्तु ऐसा नही किया गया चूंकि कक्षा 1 से 8 तक की सभी गतिविधियों का संचालन बीआरसी आरडी अहिरवार रहली द्वारा किया जाता है। परन्तु उनके द्वारा भी निरीक्षण न करने के कारण यह घटना घटित हुई है। वर्तमान में स्थल निरीक्षण के दौरान विद्यालय भवन के समीप निर्मित आंगनवाड़ी भवन में कक्षायें संचालित करने हेतु आदेशित किया गया है तथा संस्था प्रभारी को यह निर्देश दिये गये है कि जिन बच्चों को चोटे आई है उनका विधिवत इलाज करवाते हुये लगातार संपर्क में रहें।

डीईओ, डीपीसी सहित 6 को कारण बताओ नोटिस जारी

रहली विकासखंड की छिरारी के मदनपुर प्राथमिक शाला की छत का प्लास्टर गिरने पर दो छात्राओं को चोट आने पर कलेक्टर संदीप जी आर ने तत्काल कार्यवाही करते हुये जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन, जिला परियोजना अधिकारी गिरीश मिश्रा, बीआरसी आरडी अहिरवार, प्रभारी सहायक यंत्री पीके दास, उपयंत्री जनपद शिक्षा केन्द्र रहली राजेन्द्र वैद्य, प्रधानाध्यापक शासकीय प्राथमिक शाला मदनपुरा रश्मि बनवारिया को कारण बताओं नोटिस जारी किये हैं। कलेक्टर ने नोटिस में कहा की समस्त शासकीय, अशासकीय प्राथमिक, माध्यमिक शाला जो जीर्णशीर्ण क्षतिग्रस्त स्थिति में हो उनको तत्काल गिराने हेतु निर्देशित किया गया था लेकिन उक्त अधिकारियों द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार कार्यवाही न किये जाने के कारण मंगलवार को प्राथमिक शाला मदनपुरा विकासखंड रहली के भवन की सीलिंग का प्लास्टर गिर जाने के कारण 2 बच्चे घायल हो गये हैं। उपरोक्त कृत्य स्वैच्छाचारिता, गंभीर कदाचरण की श्रेणी के फलस्वरूप मप्र सिविल सेवा आचरण नियम 1965 का उल्लंघन है। लापरवाही बरतने पर बताओ नोटिस जारी करते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही भी प्रस्तावित की है। कारण बताओ नोटिस का उत्तर 3 दिवस में कार्यालय में प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया है, उत्तर समाधानकारक नहीं होने अथवा समय सीमा में प्राप्त न होने की स्थिति में नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

जनसुनवाई में आए 195 आवेदनों पर हुई कार्रवाई

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में मंगलवार को 195 आम लोगों की समस्याओं को सुना गया और अधिकारियों को तत्परता से आमजन की समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विवेक केवी, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, डिप्टी कलेक्टर देवेन्द्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर आरती यादव, एसडीएम अदिति यादव सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

खाद, बीज और कीटनाशक दुकान में अनियमितताएं पाए जाने पर दुकान को किया सील

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जी आर ने विगत दिवस अधिकारियों को निर्देश दिये थे कि किसान भाइयों को अच्छे से अच्छा खाद उर्वरक बीज मिल सके इसके लिये लगातार खाद बीज, कीटनाशक विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण किया जाये। निर्देश के तत्काल बाद उप संचालक राजेश त्रिपाठी के द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी केसली के निर्देश पर नायब तहसीलदार सहजपुर प्रेमनारायण सिंह, चेतन मुजाल्दे एवं एसएडीओ केसली के साथ मां जगतारण कृषि सेवा केंद्र केसली का निरीक्षण किया गया जिसमें गंभीर अनियमिततायें पाये गई दुकान में एक्सपायरी दवाये भी मिली जिन्हें जप्त कर लिया गया, बिल बाउचर में अनियमितता होने से उसे जप्त कर दुकान को सीलबंद कर पंचनामा तैयार किया गया। अनुविभागीय अधिकारी केसली ने बताया को दुकान संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

जनसुनवाई : नागरिकों की समस्याओं को सुनकर निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

सागर, देशबन्धु। निगमायुक्त राजकुमार खत्री के निर्देशानुसार नवीन कार्यालय भवन में नगर निगम सीमा क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने के लिये आयोजित की गई जनसुनवाई कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके निराकरण करने के लिये आवेदन संबंधित विभागों को भेजकर आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न वार्डों से आये नागरिक जिनमें अमृत बाई डॉ. हरी सिंह गौर वार्ड, रेखा रैकवार शुक्रवारी वार्ड, दमयंती चौरसिया, गिरधारी लाल सेन बाघराज वार्ड, अख्तर अली, राजेंद्र वाल्मीकि, अनिल घारू नगर निगम ने अपनी-अपनी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा जिनके निराकरण हेतु संबंधित विभागों को निर्देश दिये गये कि नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिये जो भी आवेदन प्रस्तुत किये जा रहे हैं उनका निराकरण शीघ्र करें। जनसुनवाई में कार्यपालन यंत्री विजय दुबे, सहायक यंत्री संजय तिवारी, कार्यालय अधीक्षक मनोज अग्रवाल सहित समस्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जिला पंचायत सीईओ ने किया ई-केवाईसी शिविरों का निरीक्षण

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर पूरे जिले में शत प्रतिशत ईकेवाईसी करने के लिये शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में जिला पंचायत सीईओ विवेक केवी ने ग्राम पंचायत धनगुवां में आयोजित ईकेवाईसी कैंप का एवं निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत खेराना का निरीक्षण किया एवं ईकेवाईसी का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये।

सभी अधिकारी स्कूल भवन व अन्य भवनों को जाकर चेक करें

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जी आर ने निर्देश दिये कि जिले में कोई भी भवन क्षतिग्रस्त जर्जर नही हो इस हेतु तत्काल कार्यवाही करें और सभी अधिकारी विशेष रूप से स्कूल भवन और अन्य सार्वजनिक भवनों को जाकर चेक करें और कार्यवाही करें। कोई भी स्कूल, भवन क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में है उस भवन में स्कूल संचालित नही होना चाहिये। सभी शिक्षा अधिकारी, राजस्व अधिकारी एवं नगरीय निकाय के अधिकारी स्कूल के प्राचार्य की बैठक आयोजित करें एवं मौके पर जाकर निरीक्षण करें। कोई भी घटना होने पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारी दोषी होंगे। विगत वर्ष एक घटना में अनेक मासूम बच्चों की मौत हुई थी यह स्थिति दुबारा निर्मित नहीं होना चाहिये। इसी प्रकार कही भी जल भराव की स्थिति निर्मित न हो इसके लिये भी विशेष प्रबंध करें और कंट्रोल रूम स्थापित किया जावे। कलेक्टर ने समस्त जिले वासियों से अपील की है कि उनके क्षेत्र में यदि कोई मकान जर्जर और क्षतिग्रस्त है तो इसकी सूचना संबंधित राजस्व अधिकारी नगर पालिका, नगर परिषद, एसडीएम को तत्काल दें जिससे कि उस भवन को गिराने की कार्यवाही की जा सके और सभी को सुरक्षित रखा जा सके। सूचना देने वाले का नाम भी गुप्त रखा जायेगा।

55 दिन से कन्यादान योजना की 403 नवविवाहिताओं को नहीं मिले पैसे

बीना, देशबन्धु। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह सम्मेलन में शादी करने वाली 403 वधुओं को 55 दिन बीतने के बाद भी राशि नहीं मिली है। नगर पालिका के अधिकारी आरपी जगनेरिया के अनुसार 182 हितग्राहियों की 1.10 करोड़ रुपये की राशि नगर पालिका के खाते में आ चुकी है। यह राशि जल्द ही संबंधित खातों में भेजी जायेगी। शेष 221 हितग्राहियों की राशि के लिये शासन से मांग की गई है। इस देरी से नवविवाहिताओं को ससुराल में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें सास से ताने सुनने पड़ रहे हैं। कई सास यह आरोप लगा रही हैं कि मायके वालों ने योजना की राशि हड़प ली है। इससे बेटियां तनाव में हैं। मंगलवार को कई हितग्राही एसडीएम विजय डेहरिया से मिले। उन्होंने बताया कि अन्य विधानसभा क्षेत्रों में राशि का वितरण हो चुका है। विवाह सम्मेलन का आयोजन नगर पालिका ने किया था। पंजीयन भी नगर पालिका की लॉग-इन से हुये थे। अब ग्रामीण क्षेत्र के हितग्राहियों की सूची जनपद पंचायत से मांगी जा रही है। पूर्व जनपद अध्यक्ष इंदर सिंह ने चेतावनी दी है कि सोमवार तक राशि नहीं मिलने पर नगर पालिका का घेराव किया जायेगा।

राज्यमंत्री आज लोकतंत्र सेनानियों को करेंगे सम्मानित

सागर, देशबन्धु। आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा जिलास्तरीय विचार संगोष्ठी एवं लोकतंत्र सेनानी सम्मान कार्यक्रम आज आयोजित किया जायेगा। आयोजन की तैयारियों के निमित्त संभागीय भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी ने कहा की आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा जिलास्तरीय विचार संगोष्ठी एवं लोकतंत्र सेनानी सम्मान एवं इस काले कालखंड पर आधारित प्रदर्शनी संभागीय कार्यालय में लगाई जायेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल होंगे जो दोपहर 1 बजे प्रदर्शनी का उद्घाटन कर जिलास्तरीय संगोष्ठी को संबोधित करेंगे एवं लोकतंत्र सेनानियों व उनके परिजनों का सम्मान करेंगे। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. वीरेंद्र पाठक ने आयोजन की तैयारियों के निमित्त विस्तृत जानकारी दी। जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल दोपहर 1 बजे सागर पहुंचेंगे। बैठक में निगमध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, चैन सिंह, जगन्नाथ गुरैया, विक्रम सोनी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष यश अग्रवाल, प्रासुक जैन, नितिन सोनी, दीपक दुबे सहित पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक कल

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जी आर की अध्यक्षता में जिले के हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक कल 26 जून को महाकवि पदमाकर सभागार मोतीनगर में गुरुवार दोपहर 2 बजे से ओयाजित की जायेगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि बैठक में एजुकेशन पोर्टल पर नामांकन कक्षा 9 से 12 शासकीय, अशासकीय की समीक्षा, एक पेड़ मां के नाम की समीक्षा, इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता 4 एवं 5 जुलाई के संबंध में समीक्षा, मरम्मत हेतु अनुरक्षण मद में जारी की गई राशि व्यय की समीक्षा, 30 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम पर समीक्षा, नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु आवश्यक दिशा निर्देशों पर समीक्षा, स्कूटी, लेपटॉप योजना की समीक्षा, एसएमडीसी बैठक के संबंध में समीक्षा, स्थापना संबंधी कार्यों की समीक्षा, अपार आईडी निर्माण की समीक्षा, मंडल द्वारा संचालित परीक्षा वर्ष 2025-26 की परीक्षाओं संबंधी मार्गदर्शिका एवं ऑनलाईन आवेदन की प्रविष्टि के निर्देशों की समीक्षा, छात्रवृत्ति मेपिंग, प्रोफाइल अपडेशन, असफल भुगतान एवं एमपी टास्क पोर्टल की समीक्षा, नि:शुल्क साईकिल वितरण की समीक्षा, सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों की समीक्षा, विमर्श पोर्टल पर की जाने प्रविष्टियों पर चर्चा। नामांकन, एमआईएस, नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक एवं अन्य नवीन व्यावसायिक शिक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

24 घंटे में 3 मौतें, युवक का शव मिला, करंट से नवविवाहित और सांप के काटने से बच्चे मृत

बीना, देशबन्धु। एक दिन में तीन अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। बीना-भोपाल रेलवे ट्रैक पर पड़रिया गेट के पास एक युवक का शव मिला। कीचड़ की वजह से पुलिस वाहन मौके तक नहीं पहुंच सका। रेलवे स्टाफ ने मालगाड़ी रोककर शव वाहन चालक वीरेंद्र तिवारी की मदद से शव को बीना स्टेशन पहुंचाया। पुलिस मृतक की पहचान के लिये उसके पास मिले दस्तावेजों की जांच कर रही है। मालखेड़ी गांव में 22 वर्षीय हरिओम तिवारी टीन शेड पर काम कर रहे थे। इसी दौरान शेड में करंट फैल गया और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। देहरी गांव में 13 वर्षीय अनिकेत आदिवासी को रात करीब 3 बजे सोते समय सांप ने काट लिया। वह ग्राम ललोई खुरई का रहने वाला था। वह अपने नाना कल्लूराम आदिवासी के साथ देहरी में रहता था। परिजन उसे पहले सिविल अस्पताल बीना लेकर गये। वहां से उसे सागर रेफर किया गया, लेकिन सागर पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

एक साल बेमिसाल: लता वानखेड़े ने पिछले साल 24 जून को ली थी सांसद पद की शपथ

सागर, देशबन्धु। लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाई पंच से अपने राजनीतिक जीवन का सफर तय करने वाली लता वानखेड़े ने पिछले साल 24 जून को भारत के मंदिर यानी लोकसभा में सांसद पद की शपथ ली थी। एक महिला ने कामयाबी का परचम लहराते हुये यह मिथक तोड़ दिया है की नारी अब अबला नहीं सबला है। श्रीमती वानखेड़े के महज 12 महीने के कार्यकाल पर एक नजर दौड़ाई जाये तो सागर लोकसभा क्षेत्र के खाते में कई उपलब्धियां है। इनमें से भी यदि सबसे बड़ी तीन उपलब्धि की बात की जाये तो नरयावली डिपो का सतना ट्रांसफर होने से रोकना। सागर से नागपुर के अलावा अन्य स्थानों के लिये ट्रेनों के सागर में स्टॉपेज और बीना में रिंग रोड की स्वीकृति सबसे बड़ी सफलता है। जनता से सतत संवाद और विकास की ललक रखने वाली वानखेडे का सत्ता और संगठन में भी बेहतर तालमेल है।

महिला आयोग की अध्यक्ष रहते हुये इन्होंने महिलाओं के दर्द को करीब से जाना है इसलिये महिला सशक्तिकरण पर भी उल्लेखनीय कार्य श्रीमती वानखेड़े के खाते में है। सागर जिले की सबसे बड़ी पंचायत रही मकरोनिया से तीन बार सरपंच के अलावा पंचायती राज महासंघ की प्रदेश अध्यक्ष, मप्र स्काउट गाइड की प्रदेश उपाध्यक्ष सहित देश का विदेश में प्रतिनिधित्व करने का भी गौरव इन्हें मिला है। राजनीति के सफर में इनका कोई भी विरोधी नहीं है। सागर की जनता इन्हें प्यार से दीदी कहकर बुलाती है। हाल ही में इन्हें हिंसा और आतंकवाद के खिलाफ काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय स्तर की समिति इंटरनेशनल पार्लियामेंट्री यूनियन आईपीयू का सदस्य बनाकर उज्बेकिस्तान में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व करने के लिये भेजा गया, जो बुंदेलखंड नहीं, प्रदेश के लिये एक गौरव की बात है।

श्रीमती वानखेडे का 1 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर उनसे जानना चाहा लोकसभा क्षेत्र के प्रति आपका संकल्प और विजन किया है तो उनका जवाब था जनता ने वोट रूपी आशीर्वाद देकर मुझे करीब 5 लाख मतों से विजय बनाकर संसद भवन में भेजा है। मेरी जिम्मेदारी है और मैं संकल्प लेती हूं की सागर लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिये में तब तक लड़ती रहूंगी जब तक विजन पूरा नहीं हो जाता। जनता की उम्मीद पर सोलह आने खरे उतरना मेरी जवाबदारी है। आने वाले 4 साल में आपकी उम्मीदों पर हरदम खरी उतरूंगी।

सार समाचार

दानपत्र के जरिए जमीन हड़पने का आरोप लगाया

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजपुर तहसील क्षेत्र के एक व्यक्ति ने अपने बड़े भाई पर दादा के साथ धोखाधड़ी कर जमीन का दानपत्र अपनी पत्नी के नाम लिखवाने का आरोप लगाकर जनसुनवाई ने आवेदन दिया है। शिकायतकर्ता ग्राम मनकारी निवासी विनोद पटेल ने बताया उसके बड़े भाई राकेश पटेल ने उनके दादा सूरा पटेल के साथ धोखाधड़ी की। विनोद के अनुसार, राकेश ने केवाईसी के बहाने सूरा पटेल को ले जाकर उनके हस्ताक्षर करवाए और उनकी जमीन का दानपत्र अपनी पत्नी कपूरी देवी पटेल के नाम लिखवा लिया। विनोद ने इस धोखाधड़ी को उजागर करते हुए उक्त दानपत्र को अवैध बताया और इसे निरस्त करने की मांग की। उन्होंने कलेक्टर से मामले की जांच कराकर न्याय दिलाने की अपील की ताकि दादा की जमीन वापस परिवार को मिल सके।

कमजोर वर्ग के लोगों को प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने की कोशिश

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के सटई रोड छुई खदान में रहने वाले भईयन पुत्र बरवा बंसल ने ईसाई मिशनरी द्वारा धर्मांतरण के लिए प्रलोभन देने का आरोप लगाकर सिविल लाइन थाना और एसपी को शिकायती आवेदन दिया है। इस मामले में बजरंग दल ने कडी कार्यवाही की मांग की है।

नगर पालिका छतरपुर में सफाईकर्मी वाहन चालक के पद पर कार्यरत भईयन ने आवेदन में कहा है कि उसकी पहचान गुरु कृपा मार्बल के सामने रहने वाली प्रेमवती मांझी डेविड उर्फ मौसी, उनकी पुत्री नीलम मांझी डेविड, पुत्र संजय मांझी डेविड और संजय की पत्नी से है। छह माह से वे लोग उसके परिवार को तरह तरह से लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डाल रहे हैं। उसने बताया इन लोगों ने पहले आस पास रहने वाले दलित परिवारों की जानकारी मांगी। फिर 25 किलो गेहूं, खाने के तेल का डिब्बा दिया। इसके बाद 15 जून रविवार को सुबह घर आकर बाइबिल, प्रभु ईशू की तस्वीर और 3 हजार रुपए का लिफाफा देकर हिंदू धर्म की मूर्तियां और तस्वीरें हटाने को कहा। हर रविवार को बस स्टैंड स्थित चर्च में प्रार्थना के लिए आने का दबाव भी बनाया गया। भईयन बंसल ने बताया कि इन लोगों ने उन्हें भोपाल में नौकरी और अन्य सुविधाएं दिलाने का लालच भी दिया है। उसने ये भी बताया कि उसके आस पास रहने वाले चार लोग धर्म परिवर्तन कर भी चुके हैं। पता चला है कि संजय मांझी डेविड और उसकी पत्नी भोपाल में रहकर ईसाई मिशनरी से जुडे हैं।

ये मामला पता चलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता मैदान में उतर आए है। बजरंग दल के जिला संयोजक सूरज बुंदेला ने कलेक्टर से कहा कि बजरंग दल इस तरह की गतिविधियों का कड़ा विरोध करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करता है। इस मामले की गहन जांच करके धर्मांतरण के प्रयासों को रोका जाए।

युवा संगम रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला आज

छतरपुर, देशबन्धु। बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए बुधवार को युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप का आयोजन किया जाएग। ये रोजगार मेला प्रात: 10:30 बजे से महाराजा छत्रसाल बुन्देलखंड विश्वविधालय के छात्रावास परिसर लगेगा। इसमें अप्रेंटिसशिप हेतु नेप्स, मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना एवं प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजनाओं के द्वारा प्रशिक्षण का लाभ दिया जाएगा। जिसमें टाटा मोटर्स, एल.जी. इलेक्ट्रॉनिक्स, पेटीएम प्राईवेट लिमिटेड, यशस्वी स्किल बेंचर, वर्धमान यार्न एसआईएस सिक्योरिटी एवं अन्य प्रतिष्ठित कम्पनियां साक्षात्कार के माध्यम से आकांक्षी युवाओं का चयन करेगें। इसके अतिरिक्त भाग लेने वाले युवा आकांक्षियों के सामान्य स्वास्थ्य की जांच, युवा परामर्श सेवाएं, मनहित मोबाईल ऐप उमंग, हेल्पलाइन 14425 की जानकारी दी जाएगी। साथ ही स्वस्थ यकृत मिशन, नशा एवं तम्बाकू निषेध, पोषण संबंधित गतिविधियां, फिजिकल एक्टिविटी एवं योग, आभा आईडी गतिविधियां भी नि:शुल्क होंगी।

व्यापारी ने मांगा न्याय, बागेश्वर धाम के सेवादार पर लगाया धमकाने का आरोप

कलेक्टर से बोला कारोबारी- गोलू महाराज ने कहा यहां लाश का पता नहीं चलता, जान से हाथ धो बैठोगे

छतरपुर, देशबन्धु। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर निवासी एक व्यापारी निकुंज गोयल ने मंगलवार को जनसुनवाई में आकर बागेश्वर धाम के सेवादार के खिलाफ कलेक्टर पार्थ जायसवाल से शिकायत की है। उसने आवेदन में अपनी जान को खतरा बताया है। कलेक्टर ने तहसीलदार से जांच कराके उचित कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है। उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर निवासी निकुंज गोयल ने बताया कि गोलू महाराज बागेश्वर धाम में सेवादार हैं। उन्हीं के माध्यम से मैने वहां 72 लाख की जमीन खरीदी थी। हाल ही में अपने भाई शाश्वत गोयल और पार्टनर सचिन कुमार के साथ खरीदी गई जमीन पर काम शुरु करने पर कदारी संन्यासी धाम निवासी प्रापर्टी कारोबारी गोलू महाराज और उसके साथी रवि सिंह ने उन्हें धमकाते हुए जान से मारने की धमकी दी है। दोनों ने बागेश्वर धाम का नाम लेकर धमकाते हुए कहा कि प्लॉट छोड़ दो, यहां आदमी तो क्या लाश का ही पता नहीं चलता, जान से हाथ धो बैठोगे। पुलिस व प्रशासन कुछ नहीं कर पाएगा, क्योंकि हम बागेश्वर धाम के लोग हैं। यहां हमारे हिसाब से ही काम करना होगा निकुंज गोयल ने छतरपुर पुलिस से सुरक्षा की मांग करते हुए कहा है कि उन्हें, उनके भाई और पार्टनर को जान का खतरा है। अब यहां सवाल ये भी उठने लगा है कि यहां से कितने लोग गायब हुए हैं, कितनों का बुरा हाल हुआ है, ये जांच का विषय है।

बाबा जी के आदेश से खरीदी गई थी जमीन

कारोबारी निकुंज गोयल ने बताया कि वह मां के पैरों में दर्द से दुखी था, मां को आराम मिल जाए इसके लिए 3 साल पहले बागेश्वर धाम में बाबा धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी के दरबार में आया था। यहां पर्चा बनवाने के बाद बागेश्वर बाबा ने उसे आदेश दिया था कि बागेश्वर धाम में एक होटल खोलकर लोगों की सेवा करो। इसीलिए दोस्तों के साथ मिलकर मां के गहने बेचे और 72 लाख रुपए में जमीन खरीदी थी। ये सौदा 17 मई 2024 को पूरन सिंह ठाकुर और धर्मेंद्र सिंह से रजिस्ट्री के जरिए हुआ था। इसकी रजिस्ट्री भी मेरे पास है। अब उसे सेवादारों से प्लाट छोड़ने की धमकी धाम के मिल रही है। अब यहां सवाल ये उठ रहा है जिस बागेश्वर धाम में अभिनेता, मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री से लेकर देश की राष्ट्रपति तक आ चुके हों, वहीं बाबा का नाम लेकर धाम के सेवादार खुली गुंडई पर उतारु हैं। इससे कई सवाल खडे हो रहे हैं, जिनका जवाब कडी कार्यवाही के जरिए प्रशासन व धाम के प्रबंधन को देना होगा।

तस्करी करता युवक गिरफ्तार, 38 लाख के चांदी के बिस्किट जब्त

महाराजपुर, देशबन्धु। जिले की गढ़ीमलहरा थाना पुलिस ने एक बडी कामयाबी हासिल की है। दरअसल चांदी की तस्करी करते हुए उत्तर प्रदेश के बांदा निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार करके उसके पास से 35 किलो वजन के चांदी के 94 बिस्किट बरामद किए गए हैं। जिनकी कीमत करीब 38 लाख रुपए आंकी गई है।

गढ़ीमलहरा थाना प्रभारी रीता सिंह ने बताया मुखबिर की सूचना पर रात में निवारी गांव के पास चेकिंग पॉइंट लगाया गया। एक मारुति 800 कार क्रमांक एमपी 17 सीए 0879 को रोककर जब तलाशी ली गई तो उसमें रखे चांदी के 94 बिस्किट मिले। आरोपी आशीष जड़िया को हिरासत में लेकर पूछतांछ की गई। उसने बताया वह छतरपुर में रहने वाले अपने मामा जो परदेसी ज्वेलर्स के नाम से दुकान चलाते हैं, उनके पास से चांदी की ईंटें लेकर बांदा जा रहा है। आरोपी इसके कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाया। इसके बाद चांदी बिस्किट और कार को जब्त कर लिया गया है। इस मामले की सूचना जीएसटी विभाग को दे दी गई है। अब पुलिस तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

किसान की जमीन से बालू उत्खनन, जान से मारने की धमकी दी

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम गणेशपुर के एक किसान ने अपनी जमीन से किए जा रहे बालू के अवैध उत्खनन को रोकने पर जान से मारने की धमकी देने की शिकायत की है। ग्राम गणेशपुर के किसान कम्मोद सिंह उर्फ बबलू ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती आवेदन में कहा है कि उसके खेत पर गांव के कुछ दबंग और अन्य आपराधिक प्रवृत्ति के लोग जबरन कब्जा कर अवैध रूप से बालू उत्खनन कर रहे हैं। कम्मोद सिंह ने जब इसका विरोध किया तो दबंगों ने उसे जान से मारने की धमकी देकर गाली-गलौज की। पीड़ित किसान ने बताया उसने इस मामले की शिकायत पहले माइनिंग अधिकारी से की थी, लेकिन वहां से कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने स्थानीय थाना पुलिस से भी मदद मांगी, लेकिन वहां भी उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। अपनी जान और जमीन को खतरे में देखते हुए कम्मोद सिंह ने पुलिस अधीक्षक और माइनिंग अधिकारी को आवेदन देकर दबंगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उसने कहा कि उसकी जान को खतरा है और उसकी जमीन को बचाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

बिजली प्लांट के नाम पर वृद्ध दंपति की जमीन हड़पने की कोशिश

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के ईशानगर थाना क्षेत्र के दिदौल गांव में बिजली प्लांट के नाम पर वृद्ध दंपति की जमीन को फर्जी तरीके से हथियाने का मामला सामने आया है। पीड़ित वृद्ध दंपति ने गांव के सरपंच पति सहित दो अन्य लोगों पर आरोप लगाकर ईशानगर थाना में शिकायती आवेदन दिया है। दिदौल गांव निवासी वृद्ध दंपति धनीराम बसोर ने ईशानगर थाना पहुंचकर सरपंच पति ओमप्रकाश दुबे उर्फ हल्के भाई सहित दो अन्य लोगों के खिलाफ दिए आवेदन का हवाला देकर बताया कि बिजली प्लांट लगाने के नाम पर इन लोगों ने उनसे धोखाधड़ी की। आरोप है कि सरपंच पति और उनके साथियों ने वृद्ध दंपति को बहला-फुसलाकर स्टांप पेपर और कई कोरे कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिए। इसके बाद उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। पीड़ित दंपति ने पुलिस से इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, सरपंच पति ओमप्रकाश दुबे बिजली कंपनी के दलाल के रूप में काम करते हैं और कई ग्रामीणों की जमीनों को ओने-पौने दामों पर कंपनी के नाम करवाने के साथ-साथ अपने करीबियों के नाम भी करवा चुके हैं। इसमें उन्होंने लाखों रुपये की हेराफेरी भी की है। इस मामले में कई अन्य फरियादी भी सामने आ रहे है, जो शिकायत करने की बात कह रहे हैं। अब देखना है कि पुलिस सरपंच पति ओमप्रकाश दुबे उर्फ हल्के भाई और अन्य आरोपियों के खिलाफ क्या कार्रवाई करती है।

50 लाख से बने श्मशान घाट का शेड उडा, अंतिम संस्कार में परेशानी

गुलगंज, देशबन्धु। बिजावर विकासखंड में 5 हजार से अधिक आबादी वाली सबसे बड़ी ग्राम पंचायत गुलगंज में लोग श्मशान घाट में सही व्यवस्था न होने से बारिश में अपने परिजनों के पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार के लिए परेशान हैं। दरअसल यहां 50 लाख से श्मशान घाट के कायाकल्प में इतनी बेईमानी की गई कि पूरा शेड उड गया है।

बताया गया है कि पूर्व सरपंच द्वारा 50 लाख की लागत से श्मशान घाट का कायाकल्प कराया गया था। यहां फाउंडेशन पर लगे टीन उड़ गए हैं। मगर वर्तमान सरंपच ने यहां कोई कार्य नहीं कराया है। जिससे लोगों की परेशानी बढ गई है। लोगों ने बताया कि यदि बारिश के मौसम में किसी का निधन हो जाए तो उसके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार करने में दिक्कत आती है। ग्रामीण श्मशान घाट के कुप्रबंधन व बदहाली को लेकर चिंतित हैं। उनका आरोप है कि ग्राम पंचायत गुलगंज में विकास धरातल पर नहीं दिख रहा है, सिर्फ कागजों में खानापूर्ति करके जिम्मेदार काली कमाई से मौज कर रहे हैं। ग्रामीणों ने विधायक बिजावर को लिखित में आवेदन देकर पंचायत के 10 साल में कराए गए सभी निर्माण कार्यों की जांच कराने की बात कही है।

इनका कहना है

ग्रामीणों की ये समस्या वाकई बडी है, मैं इस बारे में शीघ्र ही सचिव व सरपंच से बात करके समस्या का हल निकालूंगी।

अंजना नागर
सीईओ, जनपद पंचायत बिजावर

आवेदनों की माला पहनकर ढोलक बजाते हुए जनसुनवाई में पहुंचे किसान

छतरपुर, देशबन्धु। जिले की महाराजपुर तहसील के सिंहपुर गांव के सैकड़ों किसान अपनी अनसुनी मांगों और समस्याओं को लेकर अनोखे अंदाज में जनसुनवाई में पहुंचे। ये अनूठा प्रदर्शन चर्चा का विषय बन गया है।

दरअसल आम रास्ते पर अतिक्रमण की समस्या से परेशान कई किसान अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए आवेदनों की माला पहनकर और ढोलक बजाते हुए जनसुनवाई में पहुंचे थे। किसानों का आरोप है कि खेतों के बीच बने शासकीय आम रास्ते पर कब्जा कर लिया गया है, जिससे

उनकी आवाजाही बाधित हो रही है। कई बार आवेदन देने के बावजूद कोई कार्रवाई न होने से नाराज किसानों को मजबूरन यह कदम उठाना पड़ा। किसान मुन्ना राजपूत, प्रेमशंकर कुशवाहा, जय सिंह राजपूत आदि ने बताया कि उनके खेतों के बीच से निकलने वाली पुश्तैनी जमीन पर बना शासकीय आम रास्ता है, जिस पर पटवारी राजेंद्र प्रसाद राजपूत और उनके परिवार ने कब्जा कर लिया है। इस अतिक्रमण के कारण रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। किसानों ने बताया वे कई बार आवेदन दे चुके हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। मजबूरन उन्हें अपनी बात रखने के लिए आवेदनों की माला पहनकर और ढोलक बजाते हुए जनसुनवाई में आना पड़ा।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 175 आवेदनों की सुनवाई

छतरपुर, देशबन्धु। मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई हुई। इसमें मिलिंद नागदेवे, डिप्टी कलेक्टर कौशल सिंह, एसडीएम अखिल राठौर एवं विभागीय जिलाधिकारी उपस्थित रहे और व्हीसी के माध्यम से जिले के अनुभागों के एसडीएम एवं तहसीलदार भी जुड़े रहे। जनसुनवाई में प्राप्त 175 शिकायती आवेदनों का परीक्षण करके सीईओ ने संबंधित विभाग को निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही जिपं सीईओ ने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों का प्रमुखता के साथ निराकरण करें। उन्होंने लोगों की समस्याओं को भी सुना। बता दें जनसुनवाई में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास, विद्युत मण्डल, स्वास्थ्य, खाद्य, आदिम जाति, श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न शिकायती आवेदन प्राप्त हुए हैं।

बारिश ने दी गर्मी से राहत, खेत में बुवाई में जुटे किसान

हरपालपुर, देशबन्धु। इस वर्ष जून के महीने में ही मानसून ने दस्तक दे दी है और मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। आंधी के साथ बारिश ने गर्मी से राहत दिलाई है, वहीं किसानों के लिए यह बारिश फायदेमंद साबित हो रही है।

माना जा रहा है कि जून-जुलाई में होने वाली बारिश फसलों की सिंचाई, तापमान नियंत्रण, जलस्तर बढ़ाने और पर्यावरण को हरा-भरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि, बारिश के कारण कई जगह जलजमाव, सीलन और बीमारियों का खतरा भी बड़ गया है। सोमवार को हरपालपुर क्षेत्र में शाम 7 बजे अचानक हुई बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। वहीं, मंगलवार को दोपहर में तेज धूप के कारण लोगों को फिर से उमस का सामना करना पड़ा, लेकिन शाम को आसमान में बादल छाने से बारिश की संभावना बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, जून-जुलाई की बारिश फसलों के लिए सिंचाई का प्रमुख स्रोत है, जिससे उपज में वृद्धि होती है। खासतौर पर इस समय तिलहन और रेशेदार फसलों की बुवाई के लिए यह मौसम अनुकूल माना जाता है। इसके अलावा, बारिश तापमान को नियंत्रित कर गर्मी से राहत दिलाती है और नदियों, झीलों, तालाबों के जलस्तर को बढ़ाने में मददगार है।

परिवहन विभाग ने दस्तावेजों में कमी पाई जाने पर दो स्कूल बसों को जप्त किया

देवास, देशबन्धु। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार देवास जिले में परिवहन विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान एवं परिवहन विभाग के दल द्वारा जिले में स्कूल बसों की जांच के लिए लिए विशेष अभियान निरन्तर चलाया जा रहा है। जिसके तहत मंगलवार को जिले के टिगरिया गोगा गाँव में परिवहन अधिकारी द्वारा स्कूल लगने के साथ ही बसों की जाँच की गई। जाँच में एविएस स्कूल की समस्त बसों के दस्तावेजों में कमी पाई गईए जिस पर कार्यवाही करते हुए परिवहन अधिकारी द्वारा स्कूल की 02 बसों को जप्त किया गया तथा अन्य बसों को 07 दिवस के भीतर सभी प्रकार के दस्तावेज सहित माननीय सुप्रीम कोर्ट की गाईड लाईन के अनुरूप मापदण्ड पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

इसी प्रकार अन्य स्कूलों में भी जाँच करने पर बसों में कमी पाई जाने पर कुल 04 स्कूल बसों पर कार्यवाही करते हुए 37 हजार रूपये का राजस्व वसूला गया। आने वाले वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए परिवहन अधिकारी द्वारा समस्त स्कूल बस संचालकों एवं यात्री बस चालकों से अपील की है कि वर्षाकाल में यात्री बसों का संचालन सावधानीपूर्वक करें। अनावश्यक रेसिंग ना करें तथा पुल. पुलियाओं पर जल भराव होने की स्थिति में वाहन पार ना करें। जिले परिवहन विभाग द्वारा कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

उदयपुरा में जिला स्तरीय युवा संगम मेला आज

रायसेन, देशबन्धु। जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में दिनांक 25 जून 2025 को जनपद पंचायत उदयपुरा में जिला स्तरीय युवा संगम मेले का आयोजन किया गया है। जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा कौशल विकास विभाग के संयुक्त तत्वधान में आयोजित यह युवा संगम मेला 25 जून को प्रात: 11 बजे से अपरान्ह 04 बजे तक आयोजित किया गया है। इस युवा संगम मेले के माध्यम से युवाओं को विभिन्न कम्पनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने के साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।इस जिला स्तरीय युवा संगम मेले में नवभारत फर्टीलाइजर भोपाल, वोल्वो, आयशर बगरोदा, टेस्ला ट्रांसफामर्स इंडिया लिमिटेड मण्डीदीप, अनंत स्पिनिंग मिल्स मंडीदीप, नाहर स्पिनिंग मिल मंडीदीप, इंसुलेटर्स एण्ड इलेक्ट्रिकल्स मंडीदीप, आईडब्ल्यूआई स्टेशनरी मण्डीदीप, यश्यवी ग्रुप मण्डीदीप, वर्धमान यार्न मंडीदीप, होम हेल्प सेंटर रायसेन, द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए अनिवार्य योग्यता पदानुसार कक्षा 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा इंजीनियरिंग एवं डिग्री इंजीनियरिंग है। आयु सीमा 18 वर्ष से 35 वर्ष निर्धारित है।

पेंशनर्स एसोसिएशन की ब्लाक इकाई ने रैली निकालकर किया प्रदर्शन

वित्त विधेयक का विरोध करके प्रधानमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

गौरिहार, देशबन्धु। अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स फेडरेशन इंडिया के आव्हान पर पेंशनर्स एसोसिएशन की गौरिहार ब्लाक इकाई के पेंशनर्स ने वित्त विधेयक का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया है। बाद में गौरिहार तहसीलदार की अनुपस्थिति में रीडर मनीष धुर्वे को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। जिसमें वित्त विधेयक 2025 को निरस्त करने की मांग की गई है।

गौरिहार ब्लॉक इकाई के अध्यक्ष केएल प्रजापति के नेतृत्व में पेंशनर्स जगदीश सिंह सेंगर, मुन्नीलाल मिश्रा, राजू सिंह सिचहरी, डीपी पाल, राजेंद्र नायक, महेंद्र रिछारिया, शिवनारायण पटेल, ब्रजकिशोर पाठक, रामकीर्ति पाठक, बीपी प्रजापति, शुद्धलाल अहिरवार, एसके प्रजापति, भगवान दास साहू, राजकुमार सिंह, मुन्ना रावत, रामबाबू तिवारी, मुन्ना शर्मा और सूरज बली पाल सहित बडी संख्या में पेंशनर्स ने रैली निकाली। नारेबाजी करते हुए सभी ने वित्त विधेयक 2025 का पुरजोर विरोध किया। पेंशनर्स ब्रजकिशोर पाठक ने कहा कि वर्तमान केन्द्र सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में 1 जनवरी 2016 में निर्णय लिया था कि सातवें वेतन आयोग द्वारा प्रदत्त समानता के अधिकार के तहत हम अभी पेंशनरों का मंहगाई भत्ता बढ़ाते जाएंगे। मगर सरकार ने इसे भुलाकर वित्त विधेयक मार्च 2025 को पास कर दिया जिसमें पूर्व में की गई घोषणा को भुला दिया गया।

इसका सभी पेंशनर्स पुरजोर विरोध करते हैं। पेंशनर्स ने इस बात का हवाला भी दिया कि उच्चतम न्यायालय ने भी पेशनर्स की इस मांग को जायज ठहराया है इसलिए सरकार को हमारी बात माननी ही पड़ेगी। संगठन के पदाधिकारियों ने चेतावनी भी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांग को नहीं माना तो पेशनर्स आंदोलन छेड देंगे।

देशबन्धु

सागर, बुधवार 25 जून 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

ट्रंप और नेतन्याहू ईरान के आगे झुके

नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली, यह बात इस समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चरितार्थ हो रही है। ट्रंप के खिलाफ उनके पहले कार्यकाल में दो बार महाभियोग प्रस्ताव लाया जा चुका है, कई कानूनी पचड़ों में ट्रंप फंसे हैं, कब ट्रंप सच बोलते हैं, कब दुनिया को बरगलाते हैं इसका ठिकाना नहीं, लेकिन अब वो इजरायल और ईरान को धर्म और सत्य के मार्ग से भटका हुआ बताकर उन्हें सद्बुद्धि देने की प्रार्थना ईश्वर से कर रहे हैं।

दरअसल भारतीय समयानुसार सोमवार देर रात से लेकर मंगलवार तक ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ पर कम से कम 10 पोस्ट किए, जिसमें उन्होंने ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम का ऐलान किया। एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'इजराइल और ईरान लगभग एक साथ मेरे पास आए और 'शांति' की अपील की। मुझे यह पता था कि अब शांति का समय आ गया है। दुनिया और मध्य पूर्व ही असली विजेता हैं!'

उन्होंने लिखा है, 'दोनों देश भविष्य में जबरदस्त प्रेम, शांति और समृद्धि देखेंगे। उन्हें बहुत कुछ हासिल करना है और अगर वे धर्म और सत्य के मार्ग से भटक गए तो उन्हें बहुत कुछ खोना पड़ेगा।'

एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने लिखा-सभी को बधाई! इजरायल और ईरान के बीच पूरी तरह से सहमति बन गई है कि 12 घंटों के लिए पूर्ण और संपूर्ण युद्ध विराम होगा (अब से लगभग 6 घंटे बाद, जब इजरायल और ईरान अपने अंतिम मिशनों को पूरा कर लेंगे!), इसके बाद ईरान-इजरायल के युद्ध को समाप्त माना जाएगा! आधिकारिक तौर पर ईरान युद्ध विराम की शुरुआत करेगा और 12वें घंटे में इजरायल युद्ध विराम की शुरुआत करेगा।24वें घंटे में 12 दिवसीय युद्ध के आधिकारिक अंत को दुनिया द्वारा सलामी दी जाएगी।

मैं दोनों देशों इजरायल और ईरान को बधाई देना चाहता हूं कि उनके पास 12 दिवसीय युद्ध को समाप्त करने के लिए सहनशक्ति, साहस और बुद्धिमत्ता है। यह युद्ध सालों तक चल सकता था और पूरे मध्य पूर्व को नष्ट कर सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और न ही कभी होगा!

इसी तरह के कई और पोस्ट ट्रंप ने लिखे हैं, जिसमें जाहिर हो रहा है कि वो एक तरफ दुनिया का सुप्रीम लीडर खुद को मान चुके हैं और दूसरी तरफ उन्हें हर हाल में नोबेल शांति पुरस्कार चाहिए। पता नहीं ट्रंप के मन में ये कैसी कुंठा है कि वे हर वक्त अपना वर्चस्व दिखाने के साथ-साथ दूसरों से अपने लिए तारीफें सुनना चाहते हैं। पाकिस्तान जैसे देश ट्रंप की इस ख्वाहिश को पूरा भी करते हैं।

ट्रंप ने जिस अंदाज में इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम का ऐलान किया, उसी तरह भारत और पाकिस्तान के बीच भी किया था। जिसमें पाकिस्तान तो पूरी तरह अमेरिकी पाले में दिखा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अब तक इसका खुलकर विरोध नहीं किया है। पिछले हफ्ते ट्रंप से फोन पर हुई चर्चा में दावा है कि श्री मोदी ने तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया, मगर अमेरिका ने ऐसा कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया और अब भी ट्रंप यही दावा कर रहे हैं।

इधर इजरायल ने युद्धविराम मान तो लिया है, लेकिन उसकी अकड़ अब भी दिख रही है, इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से कहा गया है कि सेना ने अपने सभी लक्ष्य साध लिए हैं। साथ ही ईरान को चेतावनी दी है कि अगर वह युद्धविराम का उल्लंघन करेगा तो फिर जवाबी कार्रवाई होगी। वहीं ईरान ने इजरायल पर ट्रंप के ऐलान के बाद कुछ और हमले किए, और बता दिया कि अपने लिए फैसला वह खुद लेगा। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने साफ कहा है कि अगर इजरायल ने सैन्य अभियान बंद कर दिया, तो 'हमारा भी किसी तरह की जवाबी कार्रवाई करने का कोई इरादा नहीं है।' ईरान का साफ कहना है कि हमले की शुरुआत इजरायल ने की, तो रोकने की पहल भी उसे ही करनी होगी।

बहरहाल, डोनाल्ड ट्रंप सोमवार तक ईरान को परिणाम भुगतने और सत्ता बदलने की धमकी दे रहे थे, फिर एक दिन में उनके विचार कैसे बदल गए, इसके प्रत्यक्ष तौर पर तीन कारण दिखाई देते हैं। पहला, ईरान पर हमले के बाद अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में ट्रंप का विरोध शुरु हो गया। दूसरा, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का फैसला लिया, जिसके बाद वैश्विक बाजार में घबराहट दिखी, कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने लगीं। फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ने वाले इस संकरे से जलमार्ग से 20-25 प्रतिशत तेल और गैस विश्व में भेजा जाता है। इसे बंद करने से एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका सब पर असर पड़ता। अमेरिका ने तो इसके बाद सीधे चीन से अपील की थी कि वह होर्मुज का रास्ता बंद करने से ईरान को रोके। और तीसरा बड़ा कारण ईरान का कतर के अल उदैद एयरबेस पर हमला करना था, जो मध्यपूर्व में अमेरिका का अहम सैन्य अड्डा है। कुछ दिनों पहले ही अमेरिका ने यहां से अपने विमान हटा लिए थे। पिछले महीने ही डोनाल्ड ट्रंप ने इस बेस का दौरा भी किया था। अमेरिका के लिए रणनीतिक तौर पर अहम इस बेस को निशाना बनाकर ईरान ने जाहिर कर दिया कि वह न केवल इजरायल बल्कि अमेरिका पर भी हमला कर सकता है और उसे किसी तरह भी झुकाया नहीं जा सकता। इसके बाद ही डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से युद्ध विराम की बात कही जाने लगी।

हालांकि कतर ने इस हमले को अपनी स्वतंत्रता, संप्रभुता पर हमला बताया तो ईरान ने साफ कर दिया कि उसका मकसद केवल अमेरिकी ठिकाना है, और कुछ नहीं। जाहिर है ईरान ने एक बार फिर इजरायल और अमेरिका को गलत साबित किया है, जो दूसरों की संप्रभुता की धज्जियां उड़ाते हुए हमले करते हैं। इजरायल-ईरान हमले में ईरान के साथ मध्यपूर्व के दूसरे देशों को भी अपने अस्तित्व की चिंता होने लगी और उन्हें संभवतः यह समझ आ गया कि ट्रंप किसी के सगे नहीं हैं। आज वे उनसे लाभ ले रहे हैं और कल को उन पर भी हमला बोल सकते हैं। ट्रंप ने जिस तरह ईरान को फिर से महान बनाने के लिए सत्ता परिवर्तन की बात कही थी, उससे भी खाड़ी देश सावधान हो गए। इसी तरह यूरोप के देश भी जो अमूमन अमेरिका के साथ खड़े रहते हैं, इस बार उन्होंने हाथ पीछे खींच लिए, क्योंकि उन्हें समझ आ गया कि ट्रंप अकारण दुनिया को युद्धों में उलझा रहे हैं और खुद शांति की बात करते हैं। ईरान ने पिछले 13-14 दिनों में जिस तरह सिर ऊंचा रखकर इस लड़ाई को लड़ा है, उससे एक तरफ छोटे देशों में नया स्वाभिमान जागा है और अमेरिका का डर दूर हुआ है। वहीं इजरायल के अभेद्य होने का जो गुब्बारा फुलाया गया था, वह भी फूट गया। कुल मिलाकर वियतनाम का इतिहास फिर दोहराया जा रहा है।

आपातकाल के पांच दशक और मौजूदा 'आफतकाल'

आपातकाल यानी भारतीय लोकतंत्र का पांच दशक पुराना एक स्याह और शर्मनाक अध्याय.., एक द:स्वप्न.., एक मनहूस और त्रासद कालखंड! दस साल पहले यानी भाजपा के सत्ता में आने और नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के एक साल बाद आपातकाल के चार दशक पूरे होने के मौके पर उस पूरे कालखंड को शिद्दत से याद करते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने देश में फिर से आपातकाल जैसे हालात पैदा होने का अंदेशा जताया था। हालांकि आडवाणी इससे पहले भी कई मौकों पर आपातकाल को लेकर अपने विचार व्यक्त करते रहे थे, मगर यह पहला मौका था जब उनके विचारों से आपातकाल की अपराधी कांग्रेस नहीं, बल्कि उनकी अपनी पार्टी भाजपा हैरान-परेशान होकर बगलें झांक रही थी। वह भाजपा जो कि आपातकाल को याद करने और उसकी याद दिलाने में हमेशा आगे रहती है।

आडवाणी ने एक अंग्रेजी अखबार को दिए साक्षात्कार में देश को आगाह किया था कि लोकतंत्र को कुचलने में सक्षम ताकतें आज पहले से अधिक ताकतवर हैं और पूरे विश्वास के साथ यह नहीं कहा जा सकता कि आपातकाल जैसी घटना दोहराई नहीं जा सकती। बकौल आडवाणी, 'भारत का राजनीतिक तंत्र अभी भी आपातकाल की घटना के मायने पूरी तरह से समझ नहीं सका है और मैं इस बात की आशंका से इनकार नहीं करता कि भविष्य में भी इसी तरह से आपातकालीन परिस्थितियां पैदा कर नागरिक अधिकारों का हनन किया जा सकता है। आज मीडिया पहले से अधिक सतर्क है, लेकिन क्या वह लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध भी है? कहा नहीं जा सकता। सिविल सोसायटियों ने भी जो उम्मीदें जगाई थीं, उन्हें वे पूरी नही कर सकी हैं।'

आडवाणी का यह बयान यद्यपि दस वर्ष पुराना है लेकिन इसकी प्रासंगिकता तब से अब तक दिनोंदिन बढ़ती गई है। आधुनिक भारत के राजनीतिक विकास के सफर में लंबी और सक्रिय भूमिका निभा चुके एक तजुर्बेकार राजनेता के तौर पर आडवाणी की इस आशंका को अगर हम अपनी राजनीतिक और संवैधानिक संस्थाओं के मौजूदा स्वरूप व संचालन संबंधी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो पाते हैं कि आज देश आपातकाल से भी कही ज्यादा बुरे दौर से गुजर रहा है।

यह सच है कि उस आपातकाल के दौरान देश के तमाम विपक्षी नेताओं और हजारों कार्यकर्ताओं को आंतरिक सुरक्षा कानून मीसा के तहत जेल में बंद कर दिया गया था। जो लोग गिरफ्तार नहीं किए जा सके थे उनके परिजनों को प्रताड़ित किया गया था। जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम के नाम पर लाखों लोगों की जबरन नसबंदी कर दी गई थी और सेंसरशिप के जरिये अखबारों के मुंह पर ताला लगा दिया था लेकिन उस दौरान कहीं सरकार प्रायोजित दंगे नहीं हुए थे और सांप्रदायिक व जातीय आधार पर लोगों को प्रताड़ित नहीं किया गया था। मगर मोदी राज के अघोषित आपातकाल में यह सब संगठित और सुनियोजित रूप से हो रहा है, जिसमें शासन-प्रशासन की भी पूरी भागीदारी है। दैत्याकार बुलडोजर समूची शासन व्यवस्था का प्रतीक बन गया है, जो कहीं विकास के नाम पर तो कहीं कानून-व्यवस्था के नाम पर कभी भी, किसी के भी कच्चे-पक्के मकान-दुकान को देखते ही देखते जमींदोज कर देता है।

अनिल जैन

> जिस मीडिया को हमारे यहां लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की मान्यता दी गई है, उसकी स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। आज की पत्रकारिता आपातकाल के बाद जैसी नहीं रह गई है। इसकी अहम वजहें हैं बड़े कॉरपोरेट घरानों का मीडिया क्षेत्र में प्रवेश और मीडिया समूहों में ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने की होड़। इस मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति ने ही मीडिया संस्थानों को जनविरोधी, सरकार का पिछलग्गू और कुछ हद तक देशविरोधी बना दिया है।

दूसरी तरफ केंद्र सहित देश के आधे से ज्यादा राज्यों में सत्तारूढ़ या सत्ता में भागीदारी कर रही भाजपा के भीतर भी हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृत्तियां मजबूत हुई हैं, जिनका लोकतांत्रिक मूल्यों और कसौटियों से कोई सरोकार नहीं है। आपातकाल के दौर में उस समय के कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने चाटुकारिता और राजनीतिक बेहयाई की सारी सीमाएं लांघते हुए 'इंदिरा इज इंडिया-इंडिया इज इंदिरा' का नारा पेश किया था। आज भाजपा में तो अमित शाह, जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, देवेंद्र फडणवीस आदि से लेकर नीचे के स्तर तक ऐसे कई नेता हैं जो नरेंद्र मोदी को जब-तब दैवीय शक्ति बताने में कोई संकोच नहीं करते। वैसे इस सिलसिले की शुरुआत बतौर केंद्रीय मंत्री वेंकैया नायडू ने की थी, जो बाद में उप राष्ट्रपति बनाए गए।

यह स्थिति सिर्फ सत्तारूढ़ दल की नहीं है। आज देश मे लोकतंत्र के पहरुए कहे जा सकने वाले ऐसे संस्थान भी नजर नहीं आते जिनकी लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर प्रतिबद्धता संदेह से परे हो। आपातकाल के दौरान जिस तरह प्रतिबद्ध न्यायपालिका की वकालत की जा रही थी, आज वैसी ही आवाजें सत्तारूढ़ दल के साथ-साथ न्यायपालिका के किसी-किसी कोने से भी सुनाई दे जाती हैं। यही नहीं, सत्तारूढ़ दल की ओर से न्यायपालिका को नसीहत भी दी जा चुकी है कि वे फैसले ऐसे दे, जिन पर अमल किया जा सके। कई महत्वपूर्ण मामलों में तो अदालतों के फैसले भी सरकार की मंशा के मुताबिक ही आ रहे हैं। सूचना के अधिकार को निष्प्रभावी बनाया जा चुका है।

हाल ही में चुनावों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों की गंभीर शिकायतें जिस तरह सामने आई हैं उससे हमारे चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली की साख पर सवालिया निशान लगे हैं। चुनाव में मिले जनादेश को दलबदल और राज्यपालों की मदद से कैसे तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है, उसका नजारा भी हम बीते वर्षों में गोवा, मणिपुर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक आदि राज्यों में देख चुके हैं। नौकरशाही की जनता और संविधान के प्रति कोई जवाबदेही नहीं रह गई है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो समूची नौकरशाही सत्ताधारी दल की मशीनरी की तरह काम करती दिखाई पड़ती है।

जिस मीडिया को हमारे यहां लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की मान्यता दी गई है, उसकी स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। आज की पत्रकारिता आपातकाल के बाद जैसी नहीं रह गई है। इसकी अहम वजहें हैं बड़े कॉरपोरेट घरानों का मीडिया क्षेत्र में प्रवेश और मीडिया समूहों में ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने की होड़। इस मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति ने ही मीडिया संस्थानों को जनविरोधी, सरकार का पिछलग्गू और कुछ हद तक देशविरोधी बना दिया है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान जो एक नई और खतरनाक प्रवृत्ति विकसित हुई वह है सरकार, सत्तारूढ़ दल और मीडिया द्वारा सेना का अत्यधिक महिमामंडन। यह सही है कि हमारे सैन्यबलों को अक्सर तरह-तरह की मुश्किल भरी चुनौतियों से जूझना पड़ता है, इस नाते उनका सम्मान होना चाहिए लेकिन उनको किसी भी तरह के सवालों से परे मान लेना और उसके पराक्रम का खुलेआम चुनावी इस्तेमाल करना तो एक तरह से सैन्यवादी राष्ट्रवाद की दिशा में कदम बढ़ाने जैसा है।

आपातकाल कोई आकस्मिक घटना नहीं बल्कि सत्ता के अतिकेंद्रीयकरण, निरंकुशता और व्यक्ति-पूजा की निरंतर बढ़ती गई प्रवृत्ति का ही परिणाम थी। आज फिर वैसा ही नजारा दिख रहा है। सारे अहम फैसले संसदीय दल तो क्या, कैबिनेट की भी आम राय से नहीं किए जाते; सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री कार्यालय और प्रधानमंत्री की चलती है।

आपातकाल के दौरान संजय गांधी और उनकी चौकड़ी की भूमिका सत्ता-संचालन में गैर-संवैधानिक हस्तक्षेप की मिसाल थी, तो आज वही भूमिका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ निभा रहा है। संसद को लगभग अप्रासंगिक बना दिया गया है। असहमति की आवाजों को चुप करा देने या शोर में डुबो देने की कोशिशें साफ नजर आ रही हैं।

आपातकाल के दौरान और उससे पहले सरकार के विरोध में बोलने वाले को अमेरिका या सीआईए का एजेंट करार दे दिया जाता था, तो अब स्थिति यह है कि सरकार से असहमत हर व्यक्ति को 'पाकिस्तान परस्त' या 'देशविरोधी' करार दे दिया जाता है। आपातकाल में इंदिरा गांधी के बीस सूत्रीय और संजय गांधी के पांच सूत्रीय कार्यक्रमों का शोर था तो आज विकास और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के आवरण में हिंदुत्ववादी एजेंडे पर अमल किया जा रहा है। इस एजेंडे के तहत अल्पसंख्यकों, दलितों और आदिवासियों का तरह-तरह से उत्पीड़न हो रहा है।

आपातकाल के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार ने और कुछ उल्लेखनीय काम किया हो या न किया हो लेकिन संवैधानिक प्रावधानों का सहारा लेकर देश पर फिर तानाशाही थोपे जाने की राह को उसने बहुत दुष्कर बना दिया था। यह उस सरकार का प्राथमिक कर्तव्य था जिसे उसने ईमानदारी से निभाया था। लेकिन यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों का अपहरण हर बार बाकायदा घोषित करके ही किया जाए, यह ज़रूरी नहीं। वह लोकतांत्रिक आवरण और कायदे-कानूनों की आड़ में भी हो सकता है। पिछले एक दशक से देश में यही तो हो रहा है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

उपचुनाव के नतीजों से इंडिया ब्लॉक पार्टियों को बढ़ावा, भाजपा की चिंता बढ़ी

■ डॉ. ज्ञान पाठक

चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों से संकेत मिलता है कि भाजपा के लिए चिंता की वजहें हैं, ऐसे समय में जब पार्टी को खुद को मजबूत करने की सख्त जरूरत है। जिन चार राज्यों में उपचुनाव हुए हैं, वे हैं - गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल। चूंकि केरल में विधानसभा का कार्यकाल 23 मई, 2026 को, पश्चिम बंगाल में 7 मई, 2026 को, पंजाब में 16 मार्च, 2027 को और गुजरात में 19 दिसंबर, 2027 को समाप्त होना है, इसलिए चुनाव के नतीजों का खास महत्व है।

केरल का नीलांबर उपचुनाव माकपा समर्थित निर्दलीय विधायक पी वी अनवर के इस्तीफे के कारण कराना पड़ा। यह सीट माकपा के लिए निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। 2021 के चुनाव में अनवर ने 46.9 प्रतिशत वोट पाकर यह सीट जीती थी। कांग्रेस उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे और 45.34 प्रतिशत वोट हासिल करने में सफल रहे। भाजपा तीसरे स्थान पर रही और उसे 4.96 प्रतिशत वोट मिले। इस प्रकार यह सीट तीनों राजनीतिक दलों- माकपा, कांग्रेस और भाजपा के लिए रणनीतिक महत्व रखती है।

इस बार माकपा ने अपना उम्मीदवार एम स्वराज को मैदान में उतारा था, जो कांग्रेस उम्मीदवार आर्यदान शौकत से 11,077 वोटों से हार गये। माकपा के लिए यह गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि पार्टी एलडीएफ के सत्तारूढ़ गठबंधन का नेतृत्व कर रही है। कांग्रेस उत्साहित है क्योंकि उसने 77737 वोट हासिल करके सीट जीती है जबकि माकपा उम्मीदवार को 66660 वोट मिले हैं।

2021 में एलडीएफ को मिले 81227 वोटों में भारी गिरावट आयी है, और यह संकेत है कि सत्तारूढ़ एलडीएफ केरल के मतदाताओं के बीच सत्ता-विरोधी भावना से ग्रस्त है, जबकि राज्य में अब से 11 महीने के भीतर चुनाव होने की संभावना है। पीवी अनवर को खुद निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में 19,760 वोट मिले।

> पश्चिम बंगाल में कालीगंज सीट पर उपचुनाव है। टीएमसी विधायक नसीरुद्दीन अहमद की मृत्यु के बाद इस सीट पर उपचुनाव हुआ। भाजपा ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को सत्ता से बेदखल करने की पूरी कोशिश कर रही है, जो इस उपचुनाव के परिणाम को महत्वपूर्ण बनाता है। टीएमसी उम्मीदवार अलीफा अहमद ने 50,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की। चुनाव परिणाम बताते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी राज्य की राजनीति की कमान संभाल रही है।

हालांकि कांग्रेस उम्मीदवार को मिले वोटों में भी 78527 से गिरावट आयी है, लेकिन यह गिरावट एलडीएफ उम्मीदवार की तुलना में कम है। इस प्रकार यह परिणाम आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य में कांग्रेस और यूडीएफ के लिए उज्ज्वल भविष्य का संकेत देता है।

केरल भाजपा के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह राज्य में अपनी राजनीतिक पैठ जमाने की पूरी कोशिश कर रही है। भाजपा उम्मीदवार ने 2021 के चुनाव में 8595 वोट हासिल किए थे, लेकिन इस बार उसे 8648 वोट ही मिल सके। इसका मतलब है कि अपने सघन प्रयासों के बावजूद वह केवल 53 वोट ही बढ़ा पायी। राज्य में खुद को मजबूत करने का भाजपा का सपना टूट गया है।

गुजरात की दो विधानसभा सीटों- विसावदर और कादी- पर उपचुनाव भाजपा, आप और कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि पार्टी 1998 से लगातार राज्य पर शासन कर रही है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गृह राज्य है। दो सीटों में से भाजपा ने एक सीट आप के हाथों गंवा दी, जो दर्शाता है कि राज्य में पीएम मोदी और भाजपा का प्रभाव कम होता जा रहा है, जबकि आप का राजनीतिक प्रभाव बरकरार है, बावजूद इसके कि केंद्र की मोदी सरकार ने केंद्रीय जांच एजेंसियों ईडी और सीबीआई के माध्यम से बिना मुकदमा चलाये ही आप के नेतृत्व को राजनीतिक और कानूनी रूप से कुचल दिया है।

सबसे पहले विसावदर सीट की बात करते हैं, जहां आप विधायक भूपेंद्र भयानी के सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने के बाद उपचुनाव हुए। आप के उम्मीदवार इटालिया गोपाल ने फिर भी भाजपा के उम्मीदवार किरीट पटेल के खिलाफ 17554 वोटों के अंतर से सीट जीत ली। आप उम्मीदवार को 75942वोट मिले, जबकि भाजपा को 58388 वोट मिले हैं। यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, और भाजपा के लिए अधिक चिंताजनक है, क्योंकि 2022 के विधानसभा चुनाव में उसे मिले 59147 वोटों से उसके वोट में गिरावट आयी है। भाजपा के लिए अतिरिक्त चिंता आप के वोटों में तेज वृद्धि है, जिसने पिछले विधानसभा चुनाव में 66210 वोट हासिल किये थे। कांग्रेस को पिछले चुनाव में 16963 वोटों के मुकाबले इस बार केवल 5501 वोट मिले हैं, जो पार्टी की गिरावट को दर्शाता है।

गुजरात की कादी विधानसभा सीट पर भाजपा ने कांग्रेस उम्मीदवार को 39452 मतों के अंतर से हराया है। भाजपा विधायक करशन सोलंकी के निधन के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराना पड़ा। भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र कुमार (राजूभाई) दानेश्वर चावड़ा को 99742 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार रमेशभाई चावड़ा को 60290 वोट मिले। भाजपा के प्रति सहानुभूति के बावजूद, इसके वोट 2021 में इसे मिले107052 वोट से घट गये, लेकिन कांग्रेस को मिले 78858 वोट में तेज गिरावट का सामना करना पड़ा। आप उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे और उसे पिछले चुनाव में मिले 7253 वोटों के मुकाबले केवल 3090 वोट मिले। सभी दलों के वोटों में सामान्य गिरावट को मतदान प्रतिशत में सामान्य गिरावट से समझा जा सकता है। फिर भी, इंडिया ब्लॉक को यह सबक सीखना चाहिए कि अगर वे एकजुट होते हैं तो वे गुजरात में भी भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकते हैं, जो भाजपा के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है।

आप ने न केवल गुजरात में एक सीट जीती है, उसके मौजूदा विधायक के भाजपा में चले जाने और भाजपा द्वारा आप के रैंक और फाइल को तोड़ने के सभी प्रयासों के बावजूद, बल्कि पंजाब में लुधियाना पश्चिम सीट पर भी जीत हासिल की है। यह उन राजनीतिक विश्लेषकों के लिए आंख खोलने वाली बात होनी चाहिए जो भविष्यवाणी कर रहे थे कि आप जल्द ही एक राजनीतिक पार्टी के रूप में समाप्त हो जायेगी। आप के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने यह जीत हासिल की। आप विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी के निधन के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराना पड़ा। आप उम्मीदवार को 35179 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार को 24542 वोट मिले। इससे यह संकेत मिलता है कि आप अभी भी कांग्रेस से आगे है। भाजपा के उम्मीदवार जीवन गुप्ता को केवल 20323 वोट मिले। इस सीट पर 2022 के चुनाव की तुलना में सभी दलों के वोटों में सामान्य गिरावट आयी है, लेकिन कांग्रेस और भाजपा के वोटों में गिरावट आप के मुकाबले ज्यादा तेज है। 2022 के चुनाव में आप को 40443, कांग्रेस को 32931 और भाजपा को 28107 वोट मिले थे। यह दर्शाता है कि आप पंजाब में किसी भी अन्य राजनीतिक दल से ज्यादा मजबूत है और इसलिए राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में इसका भविष्य उज्ज्वल है। भाजपा और कांग्रेस के पास पंजाब में अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित होने के कारण हैं। यह शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) पर भी लागू होता है, जिसे 2022 में 10072 वोटों के मुकाबले इस बार केवल 8203 वोट मिले हैं।

आखिरी, लेकिन कम महत्वपूर्ण नहीं, पश्चिम बंगाल में कालीगंज सीट पर उपचुनाव है। टीएमसी विधायक नसीरुद्दीन अहमद की मृत्यु के बाद इस सीट पर उपचुनाव हुआ। भाजपा ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को सत्ता से बेदखल करने की पूरी कोशिश कर रही है, जो इस उपचुनाव के परिणाम को महत्वपूर्ण बनाता है। टीएमसी उम्मीदवार अलीफा अहमद ने 50,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की। चुनाव परिणाम बताते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी राज्य की राजनीति की कमान संभाल रही है, भले ही भाजपा सरकार उसे हटाने की तमाम बातें कर रही हो।

जबकि केरल में, अप्रैल/मई 2026 में विधानसभा चुनावों से पहले इस साल के अंत तक पंचायत चुनाव होने हैं, पश्चिम बंगाल में, 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले कोई अन्य चुनाव नहीं है। इसलिए टीएमसी की जीत पार्टी नेतृत्व को विधानसभा चुनावों के लिए सकारात्मक अभियान को आगे बढ़ाने में मदद करेगी।

आपके पत्र

दुर्घटना पीड़ितों के लिए 'कैशलेस' उपचार : नीयत नेक व्यवस्था बेकार

देश में जब सरकार यह कहती है कि 'अब किसी भी सड़क हादसे में घायल को पहले सात दिन रुपए 1.5 लाख तक मुफ्त इलाज मिलेगा', तो लगता है जैसे व्यवस्था ने कोई इंसानी चेहरा पहन लिया है। लेकिन जब ज़मीन पर उतरकर इस योजना की हकीकत देखते हैं, तो वो चेहरा धुंधला दिखता है- कभी फाइलों में खोया, कभी पोर्टल में अटका, और कभी अस्पताल की बेरुखी में दम तोड़ता।

यह नकदरहित उपचार योजना मोटर वाहन अधिनियम की धारा 162 के तहत शुरू की गई थी। उद्देश्य यही था कि किसी गरीब या अमीर को इलाज के लिए अपनी जेब नहीं टटोलनी पड़े। पहली दृष्टि में यह लगता है कि सरकार ने आम जन की पीड़ा को समझा है। लेकिन फिर वही पुराना सवाल उठता है— क्या नीयत और नीति के बीच की दूरी को व्यवस्था कभी पाट पाएगी?

अभी तक कई राज्यों ने तो इस योजना को लागू करने के आदेश ही नहीं दिए हैं। राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा और गाजियाबाद जैसे विकसित क्षेत्रों में भी जून 2025 तक अस्पतालों को पता ही नहीं था कि योजना चालू हो चुकी है। क्या ये हास्यास्पद स्थिति नहीं कि योजना चालू हो गई है लेकिन अस्पताल और डॉक्टर उसे ढूंढ रहे हैं जैसे कोई खोया हुआ यातायात संकेत? और जो अस्पताल योजना से जुड़े भी हैं, वहां इलाज की सीमा 1.5 लाख की है। अब ज़रा सोचिए — एक गंभीर सड़क हादसे में भर्ती मरीज़ का आईसीयू, सर्जरी, दवाइयां, जांच—क्या ये सब 1.5 लाख में सिमट सकते हैं? निजी अस्पतालों ने तो साफ कहा है— हमें घाटे में क्यों काम करना चाहिए? और सरकार जवाब देती है — 'देशसेवा!' लेकिन क्या देशसेवा खाली डॉक्टरों की ज़िम्मेदारी है? नीति निर्धारकों की नहीं?

संकट सिर्फ पैसों तक सीमित नहीं है। पोर्टल — हां वही कम्प्यूटर पर बना पोर्टल— जिसे देखकर अस्पताल का बाबू भी माथा पकड़ ले। कभी दस्तावेज़ अपलोड नहीं होते, कभी फार्म अधूरा रह जाता है, और कभी पूरा क्लेम 'त्रुटि' में चला जाता है। मरीज तो क्या, अस्पताल तक को नहीं मालूम होता कि किससे संपर्क करें, कहां सुधार करवाएं। अस्पताल, पुलिस, बीमा एजेंसियां और राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण— सबके पास अलग-अलग नियम, अलग-अलग समझ, और एक जैसी असमंजस है। कोई नहीं जानता किसका क्या काम है। लगता है जैसे योजना एक मंचन है जिसमें सभी पात्र हैं, लेकिन किसी को पटकथा नहीं दी गई।

और तो और, कई बार दुर्घटना इतनी गंभीर होती है कि आसपास के जो अस्पताल हैं, वे योजना में पंजीकृत नहीं होते। ऐसे में वे 'स्थिति स्थिरीकरण' (स्टेबिलाइजेशन) भी करने से डरते हैं, उन्हें डर है कि कहीं पैसा न फंस जाए! परिणाम— घायल मरीज एंबुलेंस में इधर से उधर ढोया जाता है, और उसका 'गोल्डन ऑवर' यानी जीवन बचाने का सबसे कीमती समय— रास्तों में ही बीत जाता है।

अब बात करें सबसे बुनियादी लेकिन सबसे उपेक्षित पक्ष की-जागरूकता। जनता को नहीं पता कि ऐसी कोई योजना है। सड़क पर पड़ी एक घायल महिला को देखकर लोग कैमरा तो निकाल लेते हैं, लेकिन इलाज के लिए योजना का नाम नहीं बता पाते। अस्पताल में कार्यरत स्टाफ तक को नहीं मालूम होता कि कैसे योजना को लागू किया जाए। योजना का लाभ तब मिलेगा जब लाभार्थी को पता ही नहीं कि वो लाभार्थी है?

-प्रियंका सौरभ

ललित सुरजन की कलम से

शिवराज सिंह अखबार निकालेंगे?

'दुनिया में ऐसा कौन सा राजनेता है जो अखबारों को पसंद करता हो? फर्क इतना है कि कुछ नेता आलोचना को सहज भाव से स्वीकार कर लेते हैं, कुछ मन ही मन कुढ़ते रहते हैं और कुछ अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर कर देते हैं। मध्यप्रदेश और भाजपा के ही पूर्व मुख्यमंत्रियों की बात करूं तो कैलाश जोशी अखबार में छपी आलोचना से कभी विचलित नहीं होते थे। वीरेन्द्र कुमार सखलेचा को अपनी सरकार के विरुद्ध एक शब्द भी लिखा जाना नागवार गुजरता था। सुन्दरलाल पटवा इसकी कोई परवाह ही नहीं करते थे कि क्या छप रहा है। वे कहते थे- मैं अपना काम कर रहा हूं और अखबार वाले अपना। मध्यप्रदेश में ही कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों के इस बारे में अपने-अपने विचार हैं। द्वारिकाप्रसाद मिश्र सामान्य तौर पर आलोचना सहन कर लेते थे, लेकिन एक समय एक अखबार के विज्ञापनों पर उन्होंने कुछ दिन के लिए रोक लगा दी थी। श्यामाचरण शुक्ल संपादकों को सीधे फोन पर नाराजगी जतलाते थे और फिर तुरंत सहज हो जाते थे। अर्जुन सिंह पत्रकारों का कद नापकर तदनुरूप व्यवहार करते थे। दिग्विजय सिंह सखलेचाजी की ही तरह असहिष्णु थे।'

(देशबन्धु में 14 अगस्त 2014 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2014/08/blog-post_13.html

पावन प्रसंग

मन को अशांत करती है ईर्ष्या

सूर्य अस्ताचल के पीछे छिपने जा रहा था। राह चलते ब्राह्मण समाज का मूर्धन्य वर्ग अपने परिजनों की लंबी होती जा रही छाया को देखकर अनुभव कर रहा था कि उनकी चिंता भी इसी प्रकार बढ़ती जा रही है। कहीं दुष्ट और आसुरी प्रकृति के लोग उनका संहार करने के लिए पीछे-पीछे न आ रहे हों। वे रह-रहकर पीछे मुड़कर देख लेते थे। दूर तक कहीं किसी के आने का संकेत नहीं मिलता था; फिर भी चिंता तो थी ही। जिस प्रांत से वे लोग भागकर आ रहे थे; उसमें दुष्ट-प्रवृत्ति के अवांछनीय व्यक्तियों ने ऐसा उत्पात मचा रखा था कि ब्राह्मणों का वहां रहना भी दूभर हो गया था और उन्हें अपनी प्राण-रक्षा भी कठिन लगने लगी थी।

प्राण-रक्षा के लिए ब्राह्मणों का दल अपने परिवारों सहित महर्षि गौतम के आश्रम में आश्रय पाने के लिए निकल पड़ा था। स्त्रियां व्याकुल होकर पूछ उठतीं- 'कितनी दूर है गौतम का आश्रम?' तो उनके साथ चल रहे पुरुष कह उठते- 'कल मध्याह्न तक पहुंच जाएंगे।'

समाज में अवांछनीयताएं इतनी बढ़ चुकी थीं कि रक्षा के लिए भागे ब्राह्मण और उनके परिवार की स्त्रियों को रात में रुकना भी खतरे से खाली नहीं लगा। पता नहीं वे लोग पीछे आ रहे हों और उनके रुकते ही उन तक पहुंच जाएं; इसलिए वे रात को भी चलते रहे और अगले दिन मध्याह्न के समय ब्राह्मणों ने महर्षि गौतम के आश्रम में प्रवेश किया। विदित था कि महर्षि के आश्रम में सिंह और गो-शिशु एक साथ रहते थे। वहां सभी दुष्ट प्रवृत्तियों का शमन हो जाता था; इसलिए सभी ब्राह्मण वहां पहुंचकर निश्चिंत और निर्भय हो गए। महर्षि गौतम से जब उन्होंने सारी स्थिति स्पष्ट की, तो महर्षि ने कहा-'प्रिय अतिथियो! मैं सब तरह से तैयार हूं। आप अपने अग्निहोत्र के साथ यहां निवास करें।'

समय बीतने लगा। ब्राह्मणों के प्रदेश से समाचार आते रहते थे। वहां दुष्ट और अवांछनीय तत्वों के उत्पात शांत होने लगे थे। इधर महर्षि गौतम द्वारा इतने ब्राह्मणों को प्रश्रय दिए जाने के कारण उनकी कीर्ति भी बढ़ रही थी। एक बार भ्रमण करते हुए देवर्षि नारद महर्षि गौतम के आश्रम में आए। उन्होंने महर्षि की प्रशंसा करते हुए कहा- ऋषिवर आपकी यह कीर्ति तो दिग्दिगंत में गाई जा रही है। धन्य हैं आप जैसे परोपकारी और ब्रह्मनिष्ठ संत, जिनके दर्शन कर मैं कृतार्थ हो गया।

नारद तो चले गए, पर प्रश्रित ब्राह्मणों के - मन में ईर्ष्याग्नि भड़क उठी। गौतम का यश - चारों ओर फैल रहा है। एक दिन ब्राह्मण जाने की तैयारी करने लगे। सुबह का समय था महर्षि गौतम अग्निहोत्र से जैसे ही उठे. और वे अरनी पर्णकुटी की ओर जाने लगे, तो उन्होंने देखा कि आश्रम के आंगन में एक दुबली पतली गाय पड़ी है। उन्होंने डैसे ही निकट जाकर देखा कि गाय जीवित है या मृत। उसकी परीक्षा करने के लिए उसकी पीठ पर हाथ के दंड से हल्का सा प्रहार किया चारों ओर से ब्राह्मण निकल पड़े और उन्होंने शोर मचाया- हाय! हाय! इस पुनीत ब्रह्मबेला में गौहत्या? छोड़ो छोड़ो इस ढोंगी का आश्रम। और प्रकट हो जाने दो संसार के सामने इस पातक को। ऋषि ने ध्यानस्थ होकर देखा कि तो पाया कि यह ब्राह्मणों द्वारा बनाया गया गाय का पुतला है जो उन्हें कलंकित करने के लिए रचा गया है। महर्षि गौतम गुरु ने गंभीर वाणी में कहा-हे ब्राह्मणों. मैं समझ गया हूं कि आपके मूर्धन्य होकर भी आप लोगों के हृदय में इस प्रकार ईर्ष्या और कलुष है, तो आपके समाज में अशांति, अव्यवस्था और विग्रह क्यों नहीं आएंगे?

-युग निर्माण योजना

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर अर्पित की पुष्पांजलि

डॉ. मुखर्जी के बलिदान से विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी भाजपाः डॉ. यादव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान से आज भाजपा दुनिया की सबसे बडी पार्टी बनी है। डॉ. मुखर्जी ऐसे महानायक थे जो आजादी के पहले और बाद की विभीषिका को भांप लिया था।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आजादी से पहले अंग्रेजों के बंगभंग करने की साजिश को भांपकर आंदोलन चला दिया था। वहीं आजादी के बाद कश्मीर समस्या को भांपकर पूरे देश को आंदोलन किया और जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाने बलिदान दे दिया। डॉ.

मुखर्जी ने हमारे मोर मुकुट कश्मीर में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान का विरोध किया। जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाने के डॉ. मुखर्जी के संकल्प को प्रधानमंत्री मोदी ने साकार किया है। भाजपा कार्यालय में डॉ. मुखर्जी का पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद डॉ. यादव कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें संदेश देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है। उन्होंने अपने जीवन की आहुति देकर देश की एकता और अखंडता की रक्षा की। ऐसे राष्ट्रनायक का स्मरण करना मात्र औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय चरित्र को सशक्त करने का माध्यम है। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, जिला प्रभारी महेन्द्र सिंह, पूर्व सांसद आलोक संजर, ध्रुव नारायण सिंह, एस. एस उप्पल, विकास बोंद्रिया, श्रीमती वंदना जांचक, मंडल अध्यक्ष अभिषेक पुरोहित, बूथ अध्यक्ष गोविंद माउडी सहित जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. मुखर्जी के संकल्प हमारे प्रेरणा स्रोत : शर्मा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय इतिहास की एक ऐसी महान विभूति थे, जिनका जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और दृढ़ संकल्प का प्रतीक रहा है। वे केवल एक राजनीतिज्ञ ही नहीं, बल्कि एक विचारक, शिक्षाविद् और देशभक्त भी थे, जिनके संकल्प आज भी हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं।

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से सोमवार को सदस्य सुविधा समिति के सभापति नागेंद्र सिंह एवं सदस्य संदीप जायसवाल, राजेन्द्र भारती ने विधायकों एवं पूर्व विधायकों के विषयों पर चर्चा की ।

प्राक्कलन समिति की सिफ़ारिशों का कार्यान्वयन 6 माह में सुनिश्चित हो : अजय विश्नोई

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सभापति अजय विश्नोई ने मांग की है कि लोकसभा की भांति राज्यों में समिति के मूल प्रतिवेदन में शामिल सिफ़ारिशों का क्रियान्वयन 6 माह में सुनिश्चित होना चाहिए। श्री विश्नोई आज मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा द्वारा आयोजित संसद तथा राज्य विधान मंडलों की प्राक्कलन समितियों के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समिति के परीक्षण का मूल उद्देश्य विभागों में सार्वजनिक धन का मितव्ययता के साथ सही उपयोग एवं प्रशासन में कार्यकुशलता लाना है। इस 2 दिवसीय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा उप सभापति राज्य सभा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, विधान सभा अध्यक्ष एवं सांसद तथा राज्यों की प्राक्कलन समितियों के सभापति शामिल हुए। उन्होंने कार्य में निरंतरता के लिए समिति का कार्यकाल 2 वर्ष करने, समिति के प्रभावी कार्यकरण में महालेखाकार के सहयोग की व्यवस्था करने तथा समिति में विधि व वित्तीय प्रबंधन के जानकार सदस्यों को सदस्य बनाए जाने के भी सुझाव दिए। इसके पहले उन्होंने मध्यप्रदेश विधानसभा समिति द्वारा जांच में किए गए नवाचारों जैसे लोकस्वास्थ्य यांत्रिक विभाग के तहत नल-जल योजना, स्मार्ट सिटी योजना व डायल 100 जैसी योजनाओं के कार्यों की समीक्षा कर समिति द्वारा स्थल अवलोकन किया जाकर पाई विसंगतियों पर अधिकारियों को निर्देश देकर दुरुस्त कराने का उल्लेख किया।

इस अवसर पर विश्नोई के साथ चिंतामणि मालवीय, सोहन लाल बाल्मीक, आशीष शर्मा सदस्य तथा मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव डॉ ए.पी. सिंह , अवर सचिव श्री मनवानी मौजूद थे।

अंबेडकर प्रतिमा लगाने कांग्रेस का संविधान सत्याग्रह

राजधानी में घर-घर जाकर बताई बाबा साहेब के संघर्ष और त्याग कहानी

भोपाल, देशबन्धु। ग्वालियर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना के लिए कांग्रेस का संविधान सत्याग्रह शुरू हो गया है। इसके तहत आज राजधानी में घर-घर जाकर बाबा साहेब के संघर्ष और त्याग की दास्तां कांग्रेस जनों ने बयां की। सत्याग्रह अभियान के तहत ग्रामीण जिला कांग्रेस द्वारा ग्राम मुगालिया छाप और शहर जिला कांग्रेस द्वारा संत हिरदाराम नगर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने संविधान सत्याग्रह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्वालियर उच्च न्यायालय परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की स्थापना को लेकर उपजे विवाद को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि यह संविधान विरोधी ताकतों की सुनियोजित साजिश है, जो देश के मूलभूत सिद्धांतों को कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं। श्री पटवारी ने कहा कि हम बाबा साहब के विचारों और उनके द्वारा रचित संविधान की रक्षा के लिए हर मंच से संघर्ष करेंगे। ग्वालियर में मूर्ति स्थापना को लेकर जो विवाद खड़ा किया गया है, वह सिर्फ बाबा साहब पर नहीं, पूरे भारत के लोकतंत्र पर हमला है।

संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण का लिया संकल्प

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी आज हुजूर विधानसभा के ग्राम मुगलिया छाप की दलित बस्ती इंदिरा कॉलोनी में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित संविधान सत्याग्रह के आयोजन में शामिल हुए। इस दौरान सभी ने मिलकर संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनोखी पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री यादव ने दिल्ली में केन्द्रीय संचार सिंधिया से की मुलाकात

प्रदेश के विकास पर हुई बात

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया से उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर आत्मीय मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं में प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों, जनकल्याण और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित विषयों पर चर्चा की। इस दौरान नवाचार, डिजिटल सेवाओं की पहुंच और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया गया। मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के बीच हुई इस चर्चा में प्रदेश के विषयों को प्राथमिकता दी गई। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने राज्य के विकास, जनकल्याण और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित विषयों पर चर्चा की। नवाचार, डिजिटल सेवाओं की पहुंच और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया गया। सिंधिया ने राज्य और केंद्र सरकार के बीच समन्वय को उपयोगी बताते हुए योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने को कहा है।

सिविल अस्पताल हजीरा को मप्र में मिला प्रथम स्थान ऊर्जा मंत्री तोमर ने दी बधाई

भोपाल, देशबन्धु। उप नगर ग्वालियर में स्थापित सिविल अस्पताल हजीरा ने सेवा, समर्पण और सतत प्रयासों की शानदार मिसाल बनते हुए एक नहीं, दो-दो गौरवशाली उपलब्धियाँ अपने नाम की हैं। इस अस्पताल ने भारत सरकार द्वारा विकसित कायाकल्प मापदण्ड अनुरुप उत्कृष्ट कार्य कर कायाकल्प फाइनल मूल्यांकन में 94.43 फीसदी अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम पुरुस्कार प्राप्त किया है। सिविल अस्पताल हजीरा द्वारा अपने कार्यों से उच्च स्तर की गुणवत्ता पूर्ण संक्रमण रहित स्वास्थ्य सेवायें विकसित की हैं। इस अस्पताल में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्य से जनमानस में भी स्वास्थ्य संस्था के प्रति विश्वास सुदृढ़ हुआ है। इस उपलब्धि के साथ ही सिविल अस्पताल हजीरा ने बेस्ट ईको-फ्रेंडली चिकित्सालय पुरस्कार 2023-24 प्राप्त कर ग्वालियर वासियों को गर्व, प्रेरणा और आत्मीय खुशी का अवसर प्रदान किया है।

खंडवा ने जल संचय में ऐतिहासिक उपलब्धि की हासिल

- जिला प्रशासन और जनता की प्रतिबद्धता ने बनाया नंबर वन
- जल संरक्षण की दिशा में निरंतर बढ़ रहे कदम

भोपाल, देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कैच द रेन की जल संचय, जन भागीदारी मुहिम से खंडवा जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की राष्ट्रीय रैंकिंग में खंडवा ने 1,29,046 से अधिक जल संरचनाओं के निर्माण और पंजीकरण के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्षा जल संचयन और सामुदायिक सहभागिता के दृष्टिकोण को साकार करती है। इस पहल ने जहां गिरे, जब गिरे-वर्षा का जल संचित करें के मंत्र को चरितार्थ किया है। देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने की उपलब्धि से जिले में उत्साह का माहौल है। जनता और जिला प्रशासन जल संरक्षण के लिए कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं। जिला प्रशासन के प्रयासों से न केवल भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, बल्कि वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कर भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा को मजबूत किया गया है। स्थानीय निवासियों ने गर्व के साथ कहा, हमारा जिला जल संचय और संरक्षण में देश में अव्वल है। यह हम सभी के लिए गौरव की बात है। हम प्रशासन के साथ मिलकर हर बूंद को संरक्षित करने के लिए और अधिक प्रयास करेंगे। जिला प्रशासन ने जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप दिया है। खास तौर पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए जिले में व्यापक स्तर पर कार्य हो रहा है। सभी शासकीय भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद यह अभियान शासकीय आवासों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और दो मंजिला आवासीय भवनों तक चरणबद्ध रूप से विस्तारित होगा।

खण्डवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने कहा रूफ वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से हम जल संकट से निपट सकते हैं और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने जिले की सभी पक्की छतों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने और जनता से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है। इस अभियान को गति देने के लिए विगत दिवस एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग की तकनीकी जानकारी, लाभ और स्थापना प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि यह तकनीक भूजल स्तर को बढ़ाने के साथ-साथ वर्षा जल के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करती है।

जिले में निरंतर जल संवाद किए जा रहे हैं।अब नुक्कड़ नाटक, कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों के माध्यम से भी जनता को जागरूक किया जाएगा।गांव-गांव में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से प्रभात फेरी और रंगोली बनाने जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

स्पोर्ट्स साइंस और न्यूट्रीशियन पर कार्यशाला संपन्न

भोपाल, देशबन्धु। विश्व ओलंपिक डे पर मध्यप्रदेश में खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा स्पोर्ट्स साइंस एवं स्पोर्ट्स न्यूट्रीशियन विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और संतुलित पोषण की जानकारी देना रहा। कार्यशाला में प्रदेश के सभी जिलों के खिलाड़ी, कोच, खेल अकादमी के प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी शामिल हुए। विशेषज्ञों द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के दौरान स्पोर्ट्स न्यूट्रीशियन, रिकवरी प्रोसेस, हाइड्रेशन, मसल रिकवरी, एनर्जी मैनेजमेंट, और इंटेंसिव ट्रेनिंग के दौरान पोषण की भूमिका पर गहन जानकारी दी गई। कार्यशाला में खिलाड़ियों के लिए ऊर्जा युक्त और संतुलित आहार का महत्व, विभिन्न खेलों के अनुसार आवश्यक पोषण तत्वों की जानकारी दी।

दूरभाष 07582-223308
फैक्स 07582-222070, 224543
ईमेल-admsagar41@gmail.com

न्यायालय अपर कलेक्टर, एवं विशेष विवाह अधिकारी, जिला-सागर म.प्र.

प्रकरण क्रमांक /स-149/2025-26

!! विज्ञप्ति !!

आवेदकगण श्री दीपक गौड पिता श्री जीवन गौड उम्र-25 वर्ष स्थायी निवासी ग्राम पटना देवरी पो. चौका थाना केसली तहसील केसली जिला सागर (मध्य प्रदेश) एवं वंदना उईके पुत्री श्री विजय सिंह उईके उम्र-19 वर्ष स्थायी निवासी ग्राम खैरी खोदना पो. आमापानी थाना सिलवानी तहसील सिलवानी जिला रायसेन (मध्य प्रदेश) द्वारा आधार कार्ड, शपथ पत्र तथा उचित शीर्ष में 100 रूपये का चालान आदि दस्तावेज पेश कर मय तीन साक्षियों के विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 05 के तहत विवाह पंजीयन कराये जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया है।

यदि किसी व्यक्ति को इस विवाह के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई शिकायत अथवा आपत्ति हो तो वह इस संबंध में दिनांक 14/07/2025 तक अपनी आपत्ति अपर कलेक्टर एवं जिला विवाह अधिकारी सागर के कार्यालय में कार्यालयीन समय प्रातः 10.00 बजे से 06.00 बजे तक दर्ज करा सकते है। नियत दिवस व्यतीत होने पर किसी प्रकार की शिकायत/आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी।

(रूपेश उपाध्याय)
अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला- सागर म.प्र.

दूरभाष 07582-223308
फैक्स 07582-222070, 224543
ईमेल-admsagar41@gmail.com

न्यायालय अपर कलेक्टर, एवं विशेष विवाह अधिकारी, जिला-सागर म.प्र.

प्रकरण क्रमांक /स-150/2025-26

!! विज्ञप्ति !!

चूँकि, विवाह के रजिस्ट्रीकरण के लिए (वर) श्री राजेश कुमार गुप्ता पिता श्री आर.डी. गुप्ता उम्र-58 वर्ष निवासी 287-डी मनोरमा कॉलोनी सागर तहसील व जिला सागर (मध्य प्रदेश) एवं (वधू) श्रीमति नीलिमा गुप्ता पुत्री श्री जगन्नाथ गुप्ता उम-52 वर्ष निवासी 287-डी मनोरमा कॉलोनी सागर तहसील व जिला सागर (मध्य प्रदेश) द्वारा स्वयं के विवाह दिनांक 05/02/1997 जो स्थान-287-डी मनोरमा कॉलोनी सागर तहसील व जिला सागर (म.प्र.) से होना लेख किया है जिसके संबंध में आवेदन जिसकी प्रति संलग्न है अधोहस्ताक्षरी को आवेदन प्रस्तुत किया गया है और उक्त आवेदन पर विचार करने के लिए तारीख 23/07/2025 नियत की गई है।

आपको एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आज इस सूचना की प्राप्ति से नियत दिनांक 23/07/2025 तक अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें कि क्या आप उपरोक्त आवेदन पत्र में वर्णित विशिष्टयों की सत्यता को स्वीकार करते है और क्या विवाह के तथ्यों को विवाह रजिस्टर में प्रविष्टि किये जाने एवं विवाह प्रमाण पत्र जारी किये जाने के सम्बन्ध में आपको कोई आपत्ति है।

यदि उपरोक्त कालावधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती तो यह समझा जावेगा के विवाह के रजिस्ट्रीकरण के सम्बन्ध में आपको कोई आपत्ति नहीं है। आप व्यक्तिगत रूप से तारीख ऊपरवर्णित को उपस्थित हो सकते हैं और ऐसा न करने पर कार्यवाहियां आपकी अनुपस्थिति में विनिश्चय की जाने के दायित्वाधीन होंगी।

(रूपेश उपाध्याय)
अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला- सागर म.प्र.

CHANGE OF NAME

I , MATAJI MOTHER OF NO - JC 573816P RANK NB SUB NAME RASANANDA ROUL PRESENTLY RESIDING AT VILL - MAKUNDAPUR , PO - KARMUL , TEH - GONDIA , DIST - DHENKANAL , STATE - ODISHA, PIN 759014 HAVE CHANGED MY NAME FROM MATAJI (OLD NAME) TO MATAJI ROUL (NEW NAME). VIDE AFFIDAVIT DATED 24/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , MANJU WIFE OF NO - JC572173W RANK SUB NAME PADI RAM PRESENTLY RESIDING AT VILL - DHARCHULA , PO - GUYEEYAN , TEH - DHARCHULU , DIST - PITHORAGARH, STATE - UTTARKHAND, PIN - 262576 HAVE CHANGED MY NAME FROM MANJU (OLD NAME) TO MANJU DEVI (NEW NAME) . VIDE AFFIDAVIT DATED 26/05/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT PITHORAGARH (U.K.)

CHANGE OF NAME & DOB

I , BRIJALAL IS FATHER OF ARMY NO - 4587755M RANK NK NAME NEELESH PAL UNIT 22 MAHAR PRESENTLY SERVING IN 330 INF BDE CAMP PUNE HOME ADDRESS GRAM - MOTA JUJHAI , JUJHAI KARERA , BADHORA , SHIVPURI, KARERA , MADHYA PRADESH, 473660 HAVE CHANGED MY NAME FROM BRIJALAL TO BRAJLAL PAL AND CHANGED MY DOB FROM 26/03/1964 TO 01/01/1965 IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 24/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME & DOB

I , PISTA BAI IS MOTHER OF ARMY NO - 4587755M RANK NK NAME NEELESH PAL UNIT 22 MAHAR PRESENTLY SERVING IN 330 INF BDE CAMP PUNE HOME ADDRESS GRAM - MOTA JUJHAI , JUJHAI KARERA , BADHORA , SHIVPURI, KARERA , MADHYA PRADESH, 473660 HAVE CHANGED MY NAME FROM PISTA BAI TO PISTA PAL AND CHANGED MY DOB FROM 26/03/1966 TO 01/01/1967 IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 24/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , NO - JC 573816P RANK NB SUB NAME RASANANDA ROUL PRESENTLY RESIDING AT VILL - MAKUNDAPUR , PO - KARMUL , TEH - GONDIA , DIST - DHENKANAL , STATE - ODISHA, PIN 759014 THE NAME OF MY DAUGHTER HAS BEEN WRONGLY RECORDED AS ANWESHA PRIYADARSHINI INSTEAD OF ANWESHA PRIYADARSHINI ROUL IN MY SERVICE RECORD , HENCE NAME OF MY DAUGHTER CHANGED TO ANWESHA PRIYADARSHINI ROUL FOR ALL FUTURE PURPOSES.

CHANGE OF NAME

I , SHRADDHA SANDIP GARUDE WIFE OF ARMY NO - 4581648P RANK SEP NAME GARUDE SANDIP SANDU PRESENTLY RESIDING AT VILL - SUBHANPUR , PO - AVHANA TO . BHOKARDAN , DIST - JALNA , STATE - MAHARASHTRA, PIN - 431114 HAVE CHANGED MY NAME FROM SHARDDHA SANDIP GARUDE TO SHRADDHA SANDIP GARUDE IN MY HUSBAND ARMY RECORD VIDE AFFIDAVIT DATED 24/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT JALNA (M.H)

युद्ध किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं : पाल

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजराइल में बढ़ रहे तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति के साथ फोन पर बातचीत में शांति से मुद्दों को सुलझाने की अपील की है। उनकी इस बातचीत पर भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने सोमवार को कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा कहा है कि युद्ध किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं है। जगदंबिका पाल ने सोमवार ईरान-इजराइल के तनाव पर कहा कि पीएम मोदी चाहते हैं कि दोनों देशों में शांति बहाल हो। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान भी पीएम मोदी की पहल को दुनिया ने देखा है। उनके नेतृत्व में भारत की विदेश नीति लगातार गुटनिरपेक्षता और संतुलित कूटनीति के रास्ते पर रही है। जब से पीएम मोदी ने नेतृत्व संभाला है, उन्होंने दुनिया भर में शांति की सक्रिय रूप से वकालत की है। युद्ध कभी भी किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं हो सकता है, समाधान सिर्फ शांति से ही होगा। पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में दो लोगों की गिरफ्तारी पर जगदंबिका पाल ने कहा कि यह एनआईए के लिए एक बड़ी सफलता है।

न्यायालय तहसीलदार बीना, तहसील बीना जिला- सागर (म.प्र.)

''आम-इश्तहार''

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय कलेक्टर महोदय सागर के भूमि आवंटन प्रकाशन के अनुसार Office of executive PHE division को सूची अनुसार ग्रामों में उच्चस्तरीय टंकी निर्माण हेतु भूमि आवंटित किये जाने बावत् प्रकरण प्राप्त हुये है जो निम्नानुसार है:-

क्र.	प्रकरण क्रमांक	ग्राम का नाम	खसरा नंबर	चाहा गया रकवा
1.	0001/अ-20(3)/25-26	बेथनी	605/1	में से 0.09 हे.
2.	0002/अ-20(3)/25-26	आगासौद	565/1	में से 0.09 हे.
3.	0003/अ-20(3)/25-26	धईबुजुर्ग	119	में से 0.09 हे.
4.	0004/अ-20(3)/25-26	महादेवखेड़ी	369	में से 0.09 हे.
5.	0005/अ-20(3)/25-26	चिकनोटा	21	में से 0.09 हे.
6.	0006/अ-20(3)/25-26	हिरनछिपा	137	में से 0.09 हे.
7.	0007/अ-20(3)/25-26	हिन्नौद	231	में से 0.09 हे.
8.	0008/अ-20(3)/25-26	देहरी	249/1/2	में से 0.09 हे.

उक्त शासकीय भूमि के आवंटन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से सुनवाई दिनांक 01/07/2025 को या इसके पूर्व न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

जारी दिनांकः- 23/06/2025
पेशी दिनांकः- 01/07/2025

तहसीलदार
बीना जिला-सागर म.प्र.

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड छतरपुर

फोन 07682-248252 mail: eephedcha@gmail.com and eephedcha@nic.in
नि.आ.सू.क्रं. 09/नि.प्र./का.यं./ लो.स्वा.यां. / खण्ड / 2024-25 दिनांक 21.06.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य की निविदा ई-टेण्डरिंग पद्धति से ऑनलाईन वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 07.07.2025 को सायं 5.30 बजे तक डाउनलोड, क्रय तथा निविदा दर ऑनलाईन प्रस्तुत की जा सकती है। निम्न वर्णित कार्यों की निविदायें क्रय हेतु इच्छुक ठेकेदार का नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली म.प्र. में पंजीकृत होना आवश्यक है, कार्य की अवधि 2 माह (वर्षाकाल सहित) होगी। निविदा का विवरण निम्नानुसार है:-

स. क्रं.	ई-टेण्डर आई. डी क्रमांक	कार्य का नाम	विकास खंड/ ग्राम	कार्य की अनुमानित लागत (मूल्य रू. में)	अमानत की राशि(मूल्य रू. में)	निविदा प्रपत्र का (मूल्य रू. में)
1	2	3	4	5	6	7
1	2025_PHED _ 432408_1	जल जीवन मिशन (एकल ग्राम योजन) अंतर्गत पाईपो द्वारा जल प्रदाय योजना।	बिजावर /अमरोनिया, पनागर	8216408/-	82164/-	10000/-
2	2025_PHED _ 432409_1		नौगांव/बिलहरी, मऊसहानिया, मुखर्रा, मनकारी	20199022/-	201990/-	15000/-
3	2025_PHED _ 432410_1		छतरपुर / राजनगर / सलैया, डहर्रा	22802577/-	228026/-	15000/-
4	2025_PHED _ 432411_1		छतरपुर /मातगुवा, रामपुरकुर्रा	13652005/-	136520/-	12500/-

निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक दस्तावेज ऑन लाईन ही Submit/Upload करने होंगे। निविदा का विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। निविदा में संशोधन की स्थिति में उक्त वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना, शर्तें व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

जी-14741/25 **कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड छतरपुर म.प्र.**

सार समाचार

पुलिस ने मंदिर मे चोरी करने वाले आरोपियो को किया गिरफ्तार, चोरी किया सामान आरोपियों से बरामद

दिगौड़ा, देशबन्धु। मोहनगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अचर्रा में स्थित प्राचीन देवी जी मंदिर में पिछले 10 जून को हुई चोरी का पुलिस ने आज खुलासा किया है। मंदिर से चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने चांदी के जेवरात भी बरामद किए हैं।

मोहनगढ़ थाना प्रभारी कमल सिंह ठाकुर ने बताया है कि 10 जून को ग्राम अर्चरा के सरोवर तटवासिनी माता मंदिर से अज्ञात चोर द्वारा सोने चांदी के जेवरात की चोरी की गई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने इस घटना को गंभीरता से लिया और आरोपियों की गिरफ्तारी रू. 5000 के इनाम की घोषणा की गई। गठित पुलिस टीम द्वारा मंदिर में चोरी के अज्ञात आरोपियो की तलाश के लिए मुखबिर एवं साइबर सेल की सहायता से आरोपियों को चिन्हित किया गया।

नाली निर्माण न होने से दर्जनों घरों में घुसा बारिश का पानी,राशन सामग्री हुई खराब, 3 घंटे तक लगा रहा चक्का जाम

▸ वार्डवासियों ने की प्रशासन से लापरवाह उपयंत्री वीरेंद्र कुमार पटेल की निलंबन कारवाई की मांग

खरगापुर, देशबन्धु। नगर परिषद खरगापुर के उपयंत्री वीरेंद्र कुमार पटेल द्वारा बगैर स्वीकृत निर्माण कार्य अपने निजी स्वार्थ के चलते आए दिन लापरवाही और धांधली की जा रही है। नगर के वार्ड क्रमांक 4 दमका मोहल्ला की नाली निर्माण न होने से दर्जनों घरों में बारिश का पानी भर रहा है। जहां वार्डवासी और जनप्रतिनिधियों ने खरगापुर पलेरा रोड रजवी चौराहा पर 3 घंटे चक्काजाम लगा दिया। सड? के दौरान ओर वाहनों की लाइन लगी रही। जिम्मेवार अधिकारियों के आश्वासन पर जाम को खोला गया है।

लेकिन पिछले दिनों से हो रही बारिश से पानी एकत्र हो गया। जिस कारण से दर्जनों घरों में पानी भर रहा है। इससे स्थानीय लोगों को रात्रि और दिन में परेशानियों का सामना करना पड़ा। समस्या के समाधान के लिए नपा के अधिकारियों को फोन लगाया गया, लेकिन उनके कोई जवाब नहीं दिया गया। जिसके कारण मंगलवार की सुबह साढ़े दस बजे से खरगापुर पलेरा रोड पर चक्का जाम लग गया। मंगलवार को परेशान होकर स्थानीय लोग सुबह साढ़े दस बजे सड़क पर बैठ गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। नाली निर्माण का कार्य पूरा करने की मांग करने लगे। इसमें युवा, पुरुष और महिलाएं गोदी में बैठाए हुई है। वार्ड 4 के वार्डवासी इकबाल खान ने बताया कि नगर परिषद के इंजीनियर ने जेसीबी मशीन मांगकर सड़क तोड़ने से हमारे घरों में निस्तार का पानी और बारिश का पानी घरों में भर ने की वजह से घरों में रखा राशन और अन्य सामान गीला हो गया है।

पुलिस और तहसीलदार थे मौजूद, ठेकेदार की फर्म की जाए ब्लैक लिस्ट

चक्का जाम की सूचना मिलते ही नगरपरिषद के कर्मचारी, पुलिस, नायब तहसीलदार और तहसीलदार पहुंच गए।

धरना प्रदर्शन करने वालों ने पार्षद बाली रैकवार, मांग की खरगापुर तहसीलदार गोविंद सिंह के द्वारा कलेक्टर से शिकायत की है कि नगर परिषद के उपयंत्री वीरेंद्र कुमार पटेल लापरवाही और अनियमिताएं बरतने पर निलंबन कार्रवाई की जाए । वार्ड के वासियों के घरों में पानी भरने से नुकसान हुआ है उन्हे सहायता राशि दिलाए जाए। वार्ड की नालिया का निर्माण कार्य कराया जाए । अगर कार्रवाई नहीं होती है तो उग्र आंदोलन के लिए हम वार्डवासी मजदूर होगें। जिसकी संपूर्ण जिम्मेवारी शासन-प्रशासन की होगी।

थाने से सौ मीटर दूर गांव में

नाली से मिला नवजात का शव

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले के बुडेरा थाना क्षेत्र में एक नवजात बच्चे का शव नाली में मिला है। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे वार्ड नंबर 7 में पुराने थाने से लगभग 100 मीटर की दूरी पर स्थित नाली में स्थानीय लोगों ने शव को देखा। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नाली से निकालकर पंचनामा बनाया। पुलिस ने नवजात की मां की तलाश के लिए गांव में अपने मुखबिर एक्टिव कर दिए हैं।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय टीकमगढ़ भेज दिया है। घटना के कारणों का पता पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल पाएगा। बुडेरा ग्राम पंचायत में इस घटना से हड़कंप मच गया है। पूरे क्षेत्र में यह घटना चर्चा का विषय बन गई है।

स्थानीय लोगों की मांग है कि दोषी की पहचान कर उस पर कार्रवाई की जाए। इस मामले में बुडेरा थाना प्रभारी अंकित दुबे ने बताया है कि आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

थाना परिसर में किया पौधरोपण

एसपी ने साइबर डेस्क व वाटर कूलर का किया शुभारंभ

▸ आईएसओ प्रमाणित होने पर दी बधाई

दिगौड़ा, देशबन्धु। पुलिस थाना दिगौड़ा में आज पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने साइबर डेस्क व वाटर कूलर का फीता काटकर शुभारंभ किया और पुलिस थाना दिगौड़ा आईएसओ द्वारा प्रमाणित किए जाने पर थाना प्रभारी सहित समस्त पुलिसकर्मियों व ग्रामवासियों, क्षेत्रवासियों को बधाई दी। इसके बाद एसपी मंडलोई ने थाना परिसर में पुलिसकर्मियों व गणमान्य नागरिकों के साथ पौधरोपण किया गया। इसके साथ एसपी ने गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक की गई व पुलिस थाना का निरीक्षण किया गया।

इस अवसर पर जतारा एसडीओपी अभिषेक गौतम, थाना प्रभारी संदीप सोनी सहित समस्त पुलिस स्टाफ के साथ किसान संघ तहसील अध्यक्ष फूल सिंह घोष, जगदीश घोष, शिवेश मिश्रा, महेंद्र बुंदेला, रहीश घोष, रंजीत यादव, दाखीराम लोधी, विजय पुरोहित, दिनेश राजपूत, अवतार घोष, दामोदर अहिरवार, अनिल जैन सहित कई गणमान्य नागरिक, सरपंच व अन्य व्यक्ति शामिल हुए।

एसपी मनोहर सिंह मंडलोई आज मंगलवार की दोपहर करीब 3 बजे पुलिस थाना दिगौड़ा में पहुंचे और उन्होंने ग्रामवासियों व क्षेत्रवासियों की एक बैठक आयोजित की। इस बैठक में उन्होंने जिले में चलाए जा रहे प्रतिभा सम्मान, साइबर फ्रॉड से बचाव, सड़क सुरक्षा, युवा जोड़ो अभियान, नीड परी सहारा आसरा सहित अन्य विशेष अभियानों की विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इसके बाद उन्होंने बैठक में उपस्थित व्यक्तियों से थाना क्षेत्र के अंतर्गत हो रही जुआ सट्टा शराब और ट्रैफिक की समस्याओं को सुना और उन समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया गया।

इसके बाद एसपी मंडलोई ने यहां पर नवीन साइबर डेस्क का फीता काटकर शुभारंभ किया और बताया कि अब यहां पर साइबर हेल्प डेस्क खुलने से क्षेत्र के लोगों को साइबर क्राइम से संबंधित रिपोर्ट करने व उसके समाधान के लिए परेशानी नहीं होगी और उन्हें जिला कार्यालय तक नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही थाना परिसर में नए वाटर कूलर का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस थाने में अपने कार्य के लिए आने वाले क्षेत्र को लोगों को ठंडे व शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं थी। आज से पुलिस थाना दिगौड़ा में आने वाले व्यक्तियों को शीतल पेयजल की सुविधा हमेशा उपलब्ध रहेगी। एसपी मंडलोई ने जतारा एसडीओपी अभिषेक गौतम के साथ उपस्थित व्यक्तियों के साथ थाना परिसर के पार्क में कई फलदार व छायादार पौधों का पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी, ऑक्सीजन की कमी, पर्यावरण व ग्लोबल वार्मिंग को देखते हुए सभी को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उस पौधे की पूरी तरह से देखभाल करनी चाहिए। इसके बाद अंत में एसपी ने पुलिस थाना का निरीक्षण किया गया और थाना प्रभारी सहित पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

पहली बारिश में मुख्य सड़क हुई जलमग्न, 3 दिन से समस्या का समाधान नहीं निकाल सकी नगर परिषद

पलेरा, देशबन्धु । नगर की मुख्य सड़क पर सोमवार को नजारा कुछ बदला-बदला सा नजर आया। पलेरा नगर एवं क्षेत्र में मानसून की पहली बारिश के बाद सड़क पर पानी का जलमग्न जैसा नजारा देखते को मिला। ऐसे में सड़क पर फैले पानी में से गुजरते वाहन दूसरे वाहन चालकों के लिए तीन दिन से परेशानी बने हुए हैं।

नगर में पहली बारिश के कारण जहां तमाम वार्डों के अलग-अलग इलाकों में नागरिकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। वहीं नौगांव-जतारा मुख्य सड़क डिवाइडर पर मुकुल मिश्रा की ऑटो पार्ट्स दुकान के पास नालियों की सफाई न होने के कारण बारिश का पानी भरा होने के चलते विगत तीन दिनों से ट्रैफिक बेहद धीमी गति से रेंगता नजर आया। बड़े बहनों की आवाजाही से पानी की बौछार दोपहिया वाहनों के लिए परेशानी बनी हुई है। मानसून की पहली ही बारिश ने पलेरा नगर का हाल बेहाल कर दिया। बारिश के इंतजार में आसमान की ओर देखकर दिन गुजारने वालों के लिए भी यह बारिश किसी बुरे सपने से कम नहीं है। अब मानसून की पहली ही बारिश में आलम ये है कि बारिश की आस देखने वाले ही बारिश के बाद नगर की वार्डों में पैदा हुए हालात में नगर परिषद की प्रशासनिक व्यवस्थाओं को जमकर कोस रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि मैन सड़क डिवाइडर पर ही विगत तीन दिनों से भरा हुआ पानी वाहन चालकों के लिए मुसीबत बना हुआ है।

ऐसे में नगर के तमाम प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारियों के वहान भी फर्राटे भरते हुए यहां से गुजर रहे हैं, लेकिन जनता के लिए समस्या बने यहां के हालात पर अब तक किसी ने ध्यान नहीं दिया है। बताया गया है मैन सड़क पर पानी से भरा हुआ यह एरिया वार्ड क्रमांक 8 के अंतर्गत आता है। इस मामले में जब वार्ड क्रमांक 8 की महिला पार्षद श्रीमती शांति-कमलेश अहिरवार से चर्चा की गई तब उन्होंने बताया कि बिगत तीन दिनों से डिवाइडर सड़क पर पानी भरा होने के कारण वाहन चालकों को परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस समस्या के संबंध में उन्होंने तत्काल सफाई कर्मचारियों से समस्या का समाधान करने के लिए कहा तब सफाई कर्मचारी राकेश वाल्मीकि और देवेंद्र वाल्मीकि के द्वारा भारत एवं पाकिस्तान की तर्ज पर यह एरिया अपना-अपना न बताते हुए पल्ला झाड़ लिया गया।

जबकि पार्षद द्वारा बताया गया है कि वार्ड क्रमांक 1 से 7 तक का एरिया राकेश एवं वार्ड क्रमांक 8 से 15 तक का एरिया स्वच्छता व्यवस्था के लिए नगर परिषद के द्वारा देवेंद्र को सोपा गया है। पार्षद शांति कमलेश अहिरवार ने कहा कि ऐसे हालातो पर इस तरह का लापरवाही पूर्ण रवैया जनता में आक्रोश पैदा कर रहा है। जब इस संबंध में नगर परिषद के स्वच्छता प्रभारी अरुण कुमार सोनी से चर्चा की गई तब उन्होंने बताया कि हम इस मामले को दिखवाते हैं। ऐसे में नगर में सोमवार की शाम तक वाहन चालक धीमी रफ्तार से सड़क पर भरे हुए पानी से निकलते रहे, प्रशासनिक अधिकारियों के नुमाइंदे ने अब तक यहां की खबर लेने नहीं पहुंचे है।

पर्यटन नगरी ओरछा के विकास के लिए ऊर्जा मंत्री ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

टीकमगढ़, देशबन्धु । विश्व प्रसिद्ध धार्मिक व पर्यटन नगरी ओरछा में विकास कार्य कराने के लिए मध्य प्रदेश शासन के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखा है।

पत्र में श्री तोमर ने लिखा है कि विश्व प्रसिद्ध धार्मिक व पर्यटन नगरी ओरछा जहाँ पर स्वयं श्री रामराजा सरकार विराजमान हैं और यहां पर प्रदेश शासन द्वारा श्री रामराजा लोक का निर्माण कराया जा रहा इसलिये ओरछा नगरी में बढ़ती हुई पर्यटन की सम्भावनाओं को देखते हुए निम्न विकास कार्य कराना भी आवश्यक है :-

1. सन् 1622 में महाराज वीर सिंह द्वारा निर्माण कराये गये श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर जो कि वास्तुशास्त्र व अनुसार श्रीयंत्र की संरचना के रूप में है। यह मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण के शक्तिपीठ मंदिर के रूप में। और जो बाहर से उल्लू की चोंचनुमा दिखाई देता है। 40 वर्ष पहले यहाँ से श्री लक्ष्मीनारायण जी के मूर्ति चोरी हो गई थी तब से यह मंदिर मूर्तिविहीन है अतः इस मंदिर में श्री लक्ष्मीनारायण की प्राप् प्रतिष्ठा कराई जाये।
2. जहाँगीर महल का नाम परिवर्तित कर श्री रामराजा सरकार को ओरछा लाने वाली महारानी कुँवरगणेश के नाम पर किया जाये।
3. श्री रामराजा मंदिर के बाहर स्थित परिसर में रानी कुँवर गणेश की श्री रामलला को गोद में लि प्रतिमा स्थापित की जाये।
4. ओरछा रेलवे स्टेशन का नाम महारानी कुँवर गणेश रेलवे स्टेशन किया जाये।
5. राजा महल में महाराज मधुकर शाह एवं जहाँगीर महल में महारानी कुँवर गणेश की आदमकद प्रतिम स्थापित की जाये।
6. ओरछा नगर से लगे हुए सभी ऐतिहासिक भवनों का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्गीकरण कराया जाये।
7. राजस्थान की राजधानी जयपुर की तरह समूचे ओरछा में शासकीय व अशासकीय भवन, दुकान इत्या के लिये एक निर्धारित रंग का चयन कर सभी के लिये इसके अनुपालन की अनिवार्यता की जाये।

33वीं सेंट्रल इंडिया कराटे प्रतियोगिता में टीकमगढ़ की बेटियों ने रचा इतिहास

एक ही परिवार की 2 बहनों का कमाल, गोल्ड और कांस्य पदक जीतकर रचा कीर्तिमान

▸ भोपाल में आयोजित टूर्नामेंट में कुल 8 खिलाड़ियों ने जीते पदक, जिले में खुशी की लहर

टीकमगढ़, देशबन्धु। 'जहाँ चाह वहाँ राह' — यह कहावत उस समय सजीव हो उठी जब टीकमगढ़ की बेटियाँ 33वीं सेंट्रल इंडिया कराटे प्रतियोगिता में अपने दम पर पदक झटक लाईं। 21 से 22 जून 2025 तक भोपाल में आयोजित इस प्रतियोगिता में टीकमगढ़ जिले की टीम ने हिस्सा लिया, जिसमें आठ खिलाड़ियों ने पदक जीतकर जिले को गौरवान्वित किया।

इस प्रतियोगिता में अक्सा खान, रोजी बानो और आकांक्षा प्रजापति ने स्वर्ण पदक गोल्ड मेडल अपने नाम किए। वहीं तस्मिया खान, अवनी जैन, इकरा बानो, आकांक्षा रजक और काजल रैकवार ने कांस्य पदक ब्रोंज मेडल जीतकर जिले के खेल मानचित्र पर अपनी चमक बिखेरी।

खास बात - अक्सा और तस्मिया सगी बहनें

इस जीत में जो बात सबसे प्रेरणादायक रही, वह है — एक ही परिवार की दो बहनों की सफलता। अक्सा और तस्मिया खान, दोनों मास्टर नईम की बेटियाँ हैं। नईम खान खुद भी खेलों के पुरोधा रहे हैं — वे टीकमगढ़ जिले के टेबल टेनिस के ख्यातिप्राप्त खिलाड़ी रह चुके हैं और इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी स्तर तक भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

आज वही जुनून उन्होंने अपनी बेटियों को सौंपा। उन्होंने बेटियों को न सिर्फ खेल से जोड़ा, बल्कि उन्हें हर मोड़ पर प्रोत्साहित किया, कठिन समय में हौसला दिया, और एक पिता की भूमिका से बढ़कर कोच और मार्गदर्शक की भूमिका निभाई।

एक पिता का सपना — बेटियों को ओलंपिक में देखना

नईम खान का कहना है, मैंने अपने समय में जो ऊंचाई देखी, उससे आगे अपनी बेटियों को पहुंचते देखना चाहता हूँ। मेरा सपना है कि मेरी बेटियाँ एक दिन ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करें। मैं उनके लिए तब तक लड़ता रहूंगा, जब तक वह सपना हकीकत न बन जाए।

टीकमगढ़ की बेटियाँ — अब सिर्फ घरेलू नाम नहीं, राष्ट्रीय पहचान

इन बेटियों की जीत टीकमगढ़ के लिए एक संदेश है — प्रतिभा गाँव, गली, मोहल्ले की चौखट तक सीमित नहीं होती, अगर उसे सही मार्गदर्शन और संसाधन मिले तो वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी झंडे गाड़ सकती है।

इस उपलब्धि पर जिला भर में उत्सव जैसा माहौल है। स्कूल, कोचिंग संस्थान, सामाजिक संस्थाएं, सभी ने दोनों बहनों और अन्य विजेताओं को बधाई दी है। सोशल मीडिया पर इनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। लोग इन्हें 'टीकमगढ़ की गोल्डन गर्ल्स' कहकर संबोधित कर रहे हैं।

एक जिले के लिए यह सिर्फ जीत नहीं, संदेश है

यह सिर्फ मेडल नहीं, यह एक मिशन है। बेटियों की मेहनत का परिणाम है। यह उन अभिभावकों के लिए भी प्रेरणा है जो बेटियों को खेलों या खुले मंच पर आगे लाने से झिझकते हैं।

कोचों, शिक्षकों और जिला प्रशासन से भी अपेक्षा

अब ज़रूरत है कि जिला प्रशासन, खेल अधिकारी, और निजी संस्थान ऐसे खिलाड़ियों को आर्थिक और तकनीकी सहयोग दें, ताकि ये प्रतिभाएँ राज्य और देश स्तर पर और ऊँचा उड़ान भर सकें।

कृषि विज्ञान केंद्र में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

टीकमगढ़, देशबन्धु। कृषि विज्ञान केंद्र टीकमगढ़ में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वाटरशेड द्वारा चिन्हित किए गए किसानों को दलहन दिया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ बी एस किरार, मॉडल विलेज नोडल अधिकारी वैज्ञानिक डॉक्टर एस के जाटव एवं वाटरशेड के पदाधिकारी संतोष कुमार पाल एवं रामस्वरूप साहू तथा ग्राम पंचायत रतनगुवां के सरपंच प्रतिनिधि सुरेंद्र यादव शामिल हुए।

इस प्रोग्राम में डॉ वी.एस किरार द्वारा किसानों को खेती के संबंध में बताया गया। डॉ जाटव द्वारा किसानों को उर्दा की खेती के लिए इंदिरा किस्म के बारे में पूरी जानकारी दी गई। उनके द्वारा बताया गया है कि यह किस्म अपने क्षेत्र के लिए अच्छी उत्पादन देने वाली एवं कम अवधि वाली एवं रोग प्रतिरोधी वाली किस्म है। यह किस्म 85 से 90 दिन में पक्का तैयार हो जाती है, जिससे किसानों को उपज भी अधिक मिलेगी और उत्पादन भी अधिक होगा। जिसमे बीज उपचार आवश्यक रूप से करें, जिससे कि फसल में रोग एवं कीट से बचाया जा सके।

सार समाचार

तहसील कार्यालय की आधार केंद्र भीड़ लग रही

दमोह/पथरिया देशबन्धु। शासन द्वारा वैसे तो हर कार्यालय में अलग अलग आधार मशीन दी गई है जिनमें नगर परिषद, परियोजना, पोस्ट आफिस,तहसील कार्यालय पर वर्तमान में सिर्फतहसील कार्यालय के सामने सूचना केन्द्र पर लगी आधार केंद्र मशीन चालू है जहां इतनी भीड़ लग रही। वही छात्र छात्राओं को स्कूल,कालेज में प्रवेश के लिए आधार कार्ड आवश्यक है ऐसे में मजबूरी है जितनी भी भीड़ हो किसी को आधार कार्ड में सुधार तो कोई नया आधार कार्ड के लिए लाइन में खड़े हैं एक ही जगह आधार केंद्र मशीन चालू होने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

छात्र छात्राओं को कीचड़ से लथपथ मार्ग से होकर जाना पड़ता है स्कूल

दमोह/पथरिया देशबन्धु। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बिलानी शासकीय हाई स्कूल में जहां छात्र छात्राओं के लिए स्कूल आने जाने के लिए बारिश में ऐसा रास्ता है जहां कीचड़ से लथपथ व पानी भराव हो जाता है जहां मजबूरन निकलना पड़ता है पिछले वर्ष भी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से उक्त सड़क मार्ग पर बच्चों को होने वाली परेशानी का जिक्र किया पर सोचने वाली बात है कि कोई ध्यान नही दिया जाता है।

आज से शिवमहापुराण कथा का आयोजन

दमोह/हटा देशबंधु। नगर में छोटे सरकार के मार्गदर्शन में 9 दिवसीय शिवमहापुराण कथा का आयोजन हटा के कोर्ट के समीप चौरसिया परिवार द्वारा किए जा रहा है , जिसमें बुंदेली के सुप्रसिद्ध संत गौ पीठेश्वर कथा वाचक पंडित विपिन बिहारी द्वारा आज से कथा का श्रवणपान करवाया जाएगा। कथा के पहले नगर की चण्डी माता मंदिर से भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। श्री अजब धाम सेवा समिति ने कथा में पधारने की अपील की है ।

धरबी आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान में शिविर आयोजित

रायसेन, देशबन्धु। जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 15 जून से 30 जून तक रायसेन जिले के चिन्हित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को सिलवानी जनपद पंचायत के ग्राम पिपलियाखास और मगरमोली में शिविर आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई तथा आवेदन प्राप्त किए गए। साथ ही योजनाओं के स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। शिविर में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, सम्बल कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पीएम किसान सम्मान निधि के आवेदन, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, राष्ट्रीय पशुधन मिशन सहित अन्य योजनाओं के हितलाभ वितरण की कार्यवाही की गई। शिविर में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खेती के लिए बैल ले जा रहे किसानों के साथ गौ रक्षकों ने मारपीट की

दमोह देशबन्धु। जिले में सोमवार रात गो तस्करी के संदेह में गौसेवकों ने बैल खरीदकर ले जा रहे किसानों से मारपीट की घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी अनुसार कुम्हारी थाना क्षेत्र के कालाकोट गांव के पूरन यादव, भरत यादव और हरिलाल यादव रात को छतरपुर जिले के बक्सवाहा से चार बैल खरीदकर वापस लौट रहे थे। हटा में गौसेवकों ने उन्हें रोका और बैलों की खरीद के कागजात मांगे। पीड़ित भरत यादव ने बताया कि रसीद दिखाने के बावजूद गौसेवकों ने उनके साथ मारपीट की। इसके बाद उन्हें पुलिस थाने ले जाया गया और बैल जब्त कर लिए गए। पुलिस की जांच में सामने आया कि किसान वास्तव में खेती के लिए बैल खरीदकर ला रहे थे। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें न्याय मिलना चाहिए। हालांकि, पुलिस के अनुसार मारपीट की कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। किसान अपने बैलों को लेकर गांव वापस लौट गए हैं।

इनका कहना है

हटा थाना प्रभारी धर्मेंद्र उपाध्याय ने बताया कि पुलिस की जांच में सामने आया कि किसान वास्तव में खेती के लिए बैल खरीदकर ला रहे थे। जांच के बाद किसानों को छोड़ दिया गया और उनके बैल भी वापस कर दिए गए।

स्मार्ट मीटर लगाने के कारण बिलों की राशि अधिक, मनमानी वसूली से जनता परेशान

दमोह/हटा देशबंधु । नगर के युवाओं ने विगत दिनों बड़ी मात्रा में विद्युत बिलों की बड़ी राशि एवं स्मार्ट मीटर में लगाएं गए चार्ज के विरोध में 10 बिन्दुओं पर एक लिखित शिकायत हटा एसडीएम राकेश मरकाम से की गई। जिसमें विद्युत विभागों द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटर, पुराने मीटर की अपेक्षा अधिक खपत एवं रीडिंग में अन्तर की बात कही गई साथ ही यदि कोई उपभोक्ता समय पर बिल नहीं भर पाता है तो उसका कनेक्शन कट जाता है और पुन: जोडने पर बिल के अतिरिक्त राशि देनी पड़ती है जो कि गलत है, विद्युत वितरण केन्द्र हटा में लोगों की शिकायत या सेवा केन्द्र स्थापित नहीं किया गया है जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, यदि दिए 10 बिन्दुओं पर कोई कार्यवाही नहीं हुई तो आगामी समय में आंदोलन करने की बात कही गई है। इस ज्ञापन में रीतेश अग्रवाल, समीर सराफशिवम् शर्मा, नीरज तिवारी, मोहित राय, मोनू चौरसिया, हर्षराज साहू, शिवम् खटीक, आवेश बडगैया साहित दो दर्जन से अधिक युवाओं की उपस्थिति रही ।फोटो 2

क्षमता से अधिक रेत से भरे डंपर को एसडीएम ने पकड़ा

पन्ना/पवई, देशबन्धु। नगर में इन दिनों क्षमता से अधिक रेत से भरे डंफरों की धमा चौकड़ी जारी है । अक्सर ही में इन डंपरों की वजह से नगर में कई जगहों पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है इसी को देखते हुए अपनी निष्पक्ष और कठोर कार्यवाही के लिए प्रख्यात पवई एसडीएम समीक्षा जैन ने मंगलवार को पवई मोहन्द्रा मार्ग पर हड़ा मोड़ के पास एक क्षमता से अधिक भरे हुए रेत के डंपर को पकड़ा, दस्तावेजों की जांच की, क्षमता से अधिक भरे होने की वजह से एसडीएम ने कार्रवाई करते हुए उसे खनन विभाग को कार्यवाही के लिए सौंप दिया है। फिलहाल अभी डंपर पवई पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है बुधवार को खनन टीम के द्वारा आकर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही पवई एसडीएम ने कहा कि आने वाले समय में भी क्षमता से अधिक भरे हुए वाहनों,डंपर इत्यादि पर इसी तरह की कार्यवाही जारी रहेगी।

युवा संगम में 416 आवेदकों का हुआ चयन

दमोह देशबन्धु। तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग एवं कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देशन में आज 24 जून को सुबह 10 बजे से शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय दमोह के परिसर में युवा संगम- रोजगार स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिस मेले का आयोजन किया गया।

रोजगार मेले में शामिल होने हेतु 1016 आवेदकों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया, जिसमें से 653 आवेदकों ने उपस्थित होकर विभिन्न कंपनियों में साक्षात्कार दिया, जिसमें वर्धमान यान मंडीदीप ने 26, भारतीय जीवन बीमा निगम 18, निताई ग्रुप दमोह 08, राव्या फोर्स लखनऊ 49, ग्रेट ऑर्गेनिक सागर ने 54, ग्रो फास्ट ऑर्गेनिक जबलपुर ने 50, पुखराज आयुर्वेदिक जबलपुर 10, चेकमेट सिक्युरिटी सर्विस 15, युवा शक्ति पीथमपुर 22, ड्रीम लाइन पीथमपुर 29, एल.जी इलेक्ट्रॉनिक्स नॉयडा 34, जी.एस.आई पुणे 58 एवं यशस्वी स्किल एकेडमी भोपाल ने 35 विभिन्न कंपनियों ने कुल 416 आवेदकों के लिए आकर ऑफर लेटर वितरित कर विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। जिला उद्योग भारतीय संघ दमोह द्वारा उपस्थित आवेदकों के लिए औद्योगिक विकास के संबंध में अध्यक्ष/प्रतिनिधि एवं सदस्यों ने मार्गदर्शन दिया। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के सहयोग से कुल 09 हितग्राहियों के लिए 19,10,000/- रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए। कार्यक्रम में प्राचार्य शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय श्री श्रीवास्तव, प्राचार्य शासकीय आईटीआई अभिषेक तिवारी, अरविन्द चंदेल अजीविका मिशन, विद्या गुप्ता काउंसलर उमंग स्वास्थ्य विभाग, इसके साथ समस्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दमोह का स्टाफअजय लड़िया, देवेश जयसवाल, प्रवीण सोनवाने, सोनू कुमार सोनी, रोहित सोनी, आशुतोष तिवारी, मुकेश तिवारी कैरियर काउंसलर एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों एवं कंपनियों के नियोजकों का एल.पी. लडिया (जिला रोजगार अधिकारी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

ब्लॉक काग्रेंस कमेटी पथरिया ने आवास हीन लोगों को बेदखल ना करने सौंपा ज्ञापन

दमोह/पथरिया देशबन्धु। ब्लॉक काग्रेंस कमेटी ने तहसीलदार पथरिया को ज्ञापन सौंपा जिसमें 40-50 वर्षों से वार्ड नं.15 में अपने कच्चे आवास बनाकर निवास कर रहे, अति-गरीब, आवासहीन लोगों को बेदखल न करने की मांग की गई। आदिवासी दलित एवं पिछड़े वर्ग के लोग रहते हैं, उन लोगों को नगर परिषद की वॉटर सप्लाई लाईन भी डली हैं तथा पानी की टंकी भी बनी हुई हैं। उपरोक्त सभी लोग वार्ड नं.15 के मतदाता भी हैं तथा उनके राशन कार्ड भी बने हुये हैं, ऐसे में यदि उक्त अति गरीब लोगों को उनके आवासों से बेदखल किया गया, तो उनके परिवार सड़क पर आ जायेंगे एवं यदि उपरोक्त गरीब लोगों को किसी भी हालत में बेदखल करने की कोशिश की गई। तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पथरिया एक बड़ा आन्दोलन करेगी।हमारी मांग है कि उपरोक्त अति गरीब, दलित, पिछले लोगों को उनके आवास दखल न कर उक्त भूमि के पट्टे दिलाने की कृपा करें। ज्ञापन सौंपने ब्लाक कांग्रेस के समस्त कांग्रेस जन की उपस्थिति रही।

डी पी में चिपकने से गाय की मौत

दमोह/तेंदूखेड़ा देशबन्धु। वार्ड नंबर 6 में माडिया घाट हनुमान मंदिर के पास लगी डी पी के खंबा से चिपकने से एक गाय की मौत हो गई। जानकारी लेने पर पता चला कि माडिया घाट हनुमान मंदिर की डी पी से दर्जनों लोग सीधे तार डालकर कनेक्शन किए हुए साथ डी पी के पास तारों के बाढ़ लगी हुए है इसी के चलते डी पी के खंभे से करेंट लगने से गाय की मौत हो गई ।

इनका कहना है

डी पी के पोल को लाइन मेन से जांच करवाई गई पोल में करेंट नहीं है किसी की सर्विस लाइन में करेंट आने से गाय की मौत हो सकती है।

फरीद अंसारी
भारी जे इ ओ तेंदूखेड़ा।

विश्व योग दिवस का आयोजन

दमोह/पथरिया देशबन्धु। शासकीय उच्च.माध्यमिक विद्यालय कुमेरिया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस काआयोजन किया गया जिसमें योग क्लब प्रभारी श्रीमती कल्पना पटेल के द्वारा विभिन्न प्रकार की योगाभ्यास करवाए गए जैसे कि सूर्य नमस्कार, प्राणायाम ,आलोम विलोम जैसे सूक्ष्म योग अभ्यास कराया गए तथा योग से होने वाले फायदे के बारे में व योग अभ्यास को प्रतिदिन दैनिक दिनचर्या में शामिल करना चाहिए ऐसी जानकारी सभी छात्र-छात्राओं को दी गई। इस कार्यक्रम में कुमेरिया ग्राम पंचायत के सरपंच राधे पटेल, सचिव राजेंद्र पटेल तथा जनपद सदस्य कालूराम जी सहित कुमेरिया ग्राम में पदस्थ एएनएम श्रीमती लक्ष्मी पटेल,आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं व आशाकर्ताओं सहित समस्त स्टाफ की उपस्थित रही कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य श्रीमती क्रांति ठाकुर के द्वारा की गई ।फोटो 5

कीचड के कारण लोग परेशान, नगर पालिका ने नहीं दिया ध्यान

दमोह/हटा देशबंधु। नगर की पुरानी कचहरी के समीप बने रजिस्टर आफिस में जल भराव के कारण लोगों के आवागमन में परेशानियां का सामान करना पड़ रहा है यहां प्रति दिन सैकंडों लोग बैनामा, नोटरी, रजिस्ट्री, इमरानामा जैसे विभिन्न सरकारी कार्यो में लिए आते हैं, इसी जगह से सरकार को सबसे ज्यादा राजस्व प्राप्त होता है फिर भी यहां पक्का रास्ता ना होने से जलभराव एवं कीचड़ की स्थिति निर्मित होती है। इस सम्बन्ध में स्टाम्प विक्रेता, अजीर्निवेस , सेवा प्रदाताओं ने सामूहिक रूप से यहां की स्थिति सुधारने अधिकारी को आग्रह किया है अब देखना है कि नगर के अधिकारियों की जो कि कुंभकर्णी नींद में कब तक नींद से जागकर , आमजन से जुड़े कार्यों में रुचि लेते हैं ।टो 6

नशामुक्त भारत बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की शपथ दिलाई

रायसेन, देशबन्धु। जिले में चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान के तहत गत दिवस रायसेन स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया तथा मनोचिकित्सक दीप्ति सिंह द्वारा विद्यार्थियों को नशीले पदार्थो के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए कहा कि परिवार या आस-पड़ोस में यदि कोई व्यक्ति नशीले पदार्थो का सेवन करता है तो उसे नशा छोड़ने के लिए प्रेरित कर नशामुक्त भारत बनाने में योगदान दें। कार्यशाला में सभी नशामुक्त भारत बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक श्री मनोज बाथम, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

नशे के विरूद्ध जनजागरूकता लाने मैराथन आयोजित

जिले में चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान तथा 24 जून अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अंतर्गत नशे के विरूद्ध जनजागरूकता लाने के लिए मंगलवार को भोजपुर में जागरूकता मैराथन का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग रायसेन द्वारा आयोजित यह मैराथन भोजपुर मंदिर से प्रारंभ होकर भोजपुर बेतवा ब्रिज, होटल शिव शक्ति के सामने से पिपलिया गांव मोड से सीधे पिपलिया गांव से होते हुए सतलापुर रोड गुरुकुल स्कूल के पास समाप्त हुई। मैराथन दौड़ में 200 बच्चों ने भाग लिया। सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक श्री मनोज बाथम ने बताया कि जागरूकता मैराथन में बालक वर्ग में अंकित पाल ने प्रथम पुरस्कार, अनिल ने द्वितीय और दीपांशु सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में सपना रघुवंशी ने प्रथम, भूमि पटेल ने द्वितीय और पायल नोरिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग रोकने के लिए खाद्य विभाग ने की कार्रवाई

मारूति वेन, 9 घरेलू गैस सिलेण्डर एवं गैस रिफिलिंग मशीन जप्त

देवास, देशबन्धु। जिले में घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग रोकने के लिए कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार कार्यवाही की जा रही है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री दिनेश अहिरवार ने बताया कि घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग रोकने के लिए खाद्य विभाग के संयुक्त जांच दल द्वारा भार्गव कार केयर एवं आटो पार्टस बामनखेडा, बिलावली पर छापामार कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान दुकान में 01 घरेलू गैस सिलेण्डर कंपनी को पाईप के माध्यम से गैस रिफिलिंग मशीन से जोड़कर मारूति वेन के ईंधन टैंक में गैस रिफिलिंग का कार्य करना पाया गया। जांच के दौरान आटो पार्टस की दुकान के एक कमरे में 08 नग घरेलू गैस सिलेण्डर कंपनी के 07 भरे 01 खाली रखे पाये गये। जांच दल द्वारा मौके से मारूति वेन, 09 घरेलू गैस सिलेण्डर 07 भरे, 01 खाली, 01 आंशिक भरा एवं 01 विद्युत चलित गैस रिफिलिंग मशीन मय गैस पाईप जप्त कर दुकान संचालक रमन भार्गव पिता प्रभात भार्गव एवं वाहन मालिक सुनील प्रजापत पिता अम्बाराम प्रजापति निवासी ग्राम कालुखेडी के विरूद्ध प्रकरण तैयार किया गया।

जप्त सामग्री की कुल कीमत 81 हजार 160 रूपये है। मौके से जप्त वाहन मारूति वेन को थाना बीएनपी देवास की अभिरक्षा एवं जप्त 09 घरेलू गैस सिलेण्डर एवं 01 विद्युत चलित गैस रिफिलिंग मशीन मय पाईप को मॉ चामुण्डा गैस एजेन्सी देवास की सुपुर्दगी में दिये गये। कार्यवाही सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री भानसिंह रायए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री चेतन वर्मा द्वारा की गई।

बरसात का मौसम शुरू होते ही हर तरफ हरियाली की चादर

सांची, देशबन्धु। नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला शुरू हो चुका है। धीमी लेकिन सतत वर्षा से जल जमीन में समा रहा है, जिससे भूजल स्तर में भी धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। गर्मी के दौरान जलस्तर घटने के कारण नगर में जलापूर्ति दो दिन में एक बार की जा रही थी, जो अब भी यथावत जारी है, जबकि जलस्तर में सुधार आने लगा है।

इस बारिश ने प्रकृति में नई जान फूंक दी है। पेड-पौधों को पर्याप्त जल मिलने से आसपास के जंगलों में हरियाली लौट आई है। पहाड़ों की वह तपती काली चट्टानें, जो गर्मी में दूर से दिखाई देती थीं, अब हरियाली में ढंक गई हैं और जंगल हरे-भरे नजर आने लगे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे जंगलों ने हरियाली की चादर ओढ़ ली हो। हरियाली बढ़ने से न सिर्फ वातावरण शुद्ध हुआ है बल्कि ऑक्सीजन की मात्रा में भी इजाफा हुआ है। साथ ही, वन्य जीवों के लिए यह मौसम राहतभरा बन गया है।

रानी दुर्गावती बलिदान दिवस पर मंत्री ने सिंग्रामपुर में किया माल्यार्पण

दमोह देशबन्धु। बुंदेलखंड क्षेत्र की महान वीरांगना महारानी दुर्गावती मरावी के बलिदान दिवस के अवसर पर उनकी राजधानी रही दमोह जिले के सिंग्रामपुर में स्थानीय विधायक और प्रदेश के राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने पहुंच कर मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री लोधी ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे विधानसभा जबेरा के सिंग्रामपुर में महारानी ने राज किया और हम सभी की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। रानी ने मुगल शासन से लोहा लेते हुए उनके दांत खट्टे करने का काम किया। रानी ने किसी एक समाज के लिए नही अपितु सर्वसमाज की रक्षा करने का काम किया, ऐसी विश्व की महान वीरांगना के चरणों में बारंबार नमन करता हूं।

हम और हमारी सरकार निरंतर आदिवासी समाज के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं चला रहे हैं। जबेरा जनपद के 113 ग्राम व तेंदूखेड़ा ब्लॉक के 114 आदिवासी ग्रामों में हर एक ग्राम पंचायत में 2 करोड रुपए के कार्य किए जाएंगे जिसमें कुल 400 करोड़ रुपए के कार्य किए जाएंगे। मंच का सफल संचालन कुंवर सुनील शाह ऐडाली मंडल अध्यक्ष भाजपा अजजा मोर्चा मंडल तेजगढ़ ने किया। इस अवसर पर मंच पर राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, भाव सिंह मासाब, ठा खड्ग सिंह शिक्षक, जिला अध्यक्ष अनरत सिंह ऐडाली युवा प्रकोष्ठ दमोह, महेंद्र सिंह मरकाम शिक्षक जिला सचिव, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील शाह ऐडाली उपसरपंच समदई सुनील सिंह सरपंच, मुकेश सिंह ठाकुर सरपंच सिंगपुर, पंचम सिंह, द्वारका सिंह ठाकुर सरपंच धनगौर, रतन सिंह ठाकुर सरपंच, भानू ठाकुर मालगुजार सिंग्रामपुर, अजय सिंह ठाकुर जनपद सदस्य, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनीता सिंह ठाकुर, रश्मि साहू, दिनेश सिंह परस्ते, हरप्रसाद सिंह धुर्वे सचिव, विवेक शाह, ठा राजा भैया, राजा गुलाब सिंह जूदेव राजा गुबरा जाहर सिंह मंडल अध्यक्ष संग्राम सिंह, बंटी दुबे, मंदीप यादव, राजेश सिंघाई, संतपाल, भारत लोधी, भोजराज जैन, हाकम सिंह लोधी सरपंच, सीताराम यादव आदि क्षेत्रीय लोगों के साथ गोंड राजगोंड समाज की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में आभार ठा भानु सिंह मालगुजार ने किया।

जमीन विवाद में दलित युवक की हत्या, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी मृतक के परिवार से मिले

बोले: राजस्व विभाग की यातनाओं के कारण मौत हुई

सागर, देशबन्धु। रहली थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी चौधरी में जमीनी विवाद में दलित युवक की हत्या के मामले में मंगलवार शाम कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पहुंचे। उन्होंने गांव में पीड़ित परिवार से मुलाकात की। घटनाक्रम की जानकारी ली। मुलाकात के दौरान पटवारी ने कलेक्टर संदीप जीआर से फोन पर बात की। उन्होंने कहा एक बार यहां आकर इनकी व्यथा तो सुन लो कलेक्टर साहब, कितना दर्द है। पुलिस ने तीन-तीन बार मारा इनको। एफआईआर नहीं की। पटवारी ने नपती गलत की। 15-15 बार पटवारी व तहसीलदार को आवेदन दिये। पटवारी ने कहा आवेदन के बाद सही नपती हो जाती तो ये हत्या नहीं होती। राजस्व विभाग की यातनाओं के कारण इस बच्चे की मौत हुई है। पुलिस विभाग का अपना कुकर्म है ही। राजस्व विभाग में बगैर लेनदेन के कोई काम नहीं होता है। पटवारी ने मृतक के पिता की कलेक्टर से फोन पर बात कराई, पिता ने अपनी व्यथा सुनाई। पटवारी ने जमीन की नपती के संबंध में जांच कराकर दोषियों पर कार्यवाही करने की बात भी कलेक्टर से कही। उन्होंने एसपी से भी बातचीत की। दरअसल ग्राम देवरी चौधरी निवासी मुल्लू अहिरवार और जुगराज यादव के परिवार में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। पहले भी मारपीट की घटनायें हो चुकी थी। शनिवार सुबह मुल्लू अहिरवार अपने बेटे ओंकार अहिरवार 28 के साथ गांव जा रहे थे।

स्कूल के पास आरोपियों ने हमला कर दिया। ओंकार को पकड़कर धारदार हथियारों से हमला किया। गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें लगीं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया। परिवार ने घटना के विरोध में चक्काजाम भी किया था। बाद में रविवार शाम अंतिम संस्कार हुआ। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर 5 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इनमें बिदर उर्फ विंद्रावन यादव, जुगराज यादव, बड्डू यादव, उमेश यादव और विशाल यादव शामिल है। उन पर हत्या समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

ओंकार हत्याकांड : भीम आर्मी ने कहा, सरकारी नौकरी दी जाए

कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, बोले पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी जाए

सागर, देशबन्धु। ग्राम देवरी चौधरी में हुई ओंकार अहिरवार की हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है।

मंगलवार को भीम आर्मी, अहिरवार महासभा और अहिरवार महापंचायत के लोग रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। जहां मांगों को लेकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि 21 जून को गांव में यादव समाज के कुछ व्यक्तियों ने ओंकार अहिरवार का रास्ता रोककर उसकी निर्मम हत्या कर दी। वारदात के बाद से समाज में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने हत्या के आरोपियों पर सख्त कार्यवाही करने और फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामला चलाकर आरोपियों को फांसी की सजा दिलाने की मांग की। इसके साथ ही पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये आर्थिक सहायता, मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी और मृतक की बेटियों की शिक्षा सरकार द्वारा कराई जाने जाने की मांग रखी। पीड़ित परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि जल्द मांगें पूरी नहीं की गई तो अहिरवार समाज जिलास्तर पर धरना प्रदर्शन करेगा। इस दौरान काशीराम अहिरवार, धर्मेंद्र अहिरवार समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

पूर्व मंत्री के रक्त सेवा हेल्पलाइन सेंटर ने 13 जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराया

सागर, देशबन्धु। पूर्व मंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह द्वारा सागर स्थित कार्यालय में गत 2 जून को आरंभ किये गये रक्त सेवा हेल्पलाइन सेंटर के माध्यम से गत सप्ताह 15 से 23 जून तक 13 जरूरतमंद मरीजों को 13 यूनिट रक्त उपलब्ध कराया गया है। पूर्व मंत्री की पहल पर जिले के बीपीएल कार्ड धारक गरीब जरूरतमंदों को नि:शुल्क रक्त उपलब्ध कराने के लिये हेल्पलाइन सेंटर के माध्यम से शीघ्रता से हर संभव प्रयास होता है। श्री सिंह के जन्मदिन पर इस वर्ष आयोजित हुये चार दिवसीय रक्तदान शिविर में लगभग 1600 यूनिट रक्तदान हुआ है और पिछले दस सालों में लगभग 14 हजार से अधिक यूनिट रक्तदान हुआ है। इसके पश्चात सागर स्थित कार्यालय में रक्त सेवा हेल्पलाइन सेंटर शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि हेल्पलाइन सेंटर का मोबाइल नंबर 9228035418 है जो चौबीस घंटे चालू रहेगा। इसके साथ ही एक लैंडलाइन नंबर 262688 पर सम्पर्क किया जा सकता है। इमरजेंसी में पूर्व मंत्री के स्वयं के मोबाइल नंबर 9425171211 पर काल, वाट्सएप या एसएमएस किया जा सकता है।

निगमायुक्त ने घायल व्यक्तियों को अपने वाहन से पहुंचाया जिला चिकित्सालय

सागर, देशबन्धु। निगमायुक्त राजकुमार खत्री प्रतिदिन की तरह सुबह मंगलवार को भी शहर की सफाई व्यवस्था जल भराव स्थलों का एवं जर्जर, जीर्णशीर्ण भवनों का निरीक्षण करने निकले। जब निगमायुक्त डिग्री कॉलेज के पास जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे उस दौरान एक ओवरलोडेड ऑटो उनके सामने ही पलट गया जिसमें कुछ छोटी लड़कियां एवं अन्य सवारियां थीं उन्हें चोट आ गई थी, निगमायुक्त ने तत्काल सभी घायलों को अपने वाहन से जिला चिकित्सालय उपचार के लिये भिजवाया।

अतिथि शिक्षक कलेक्टर को सौंपेगे ज्ञापन

सागर, देशबन्धु। जिले के अतिथि शिक्षक पहलवान बाबा मंदिर में एकत्रित होकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन कलेक्टर को सौंपेंगे। अतिथि शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष सत्येंद्र तिवारी ने बताया कि ट्रांसफर एवं पदोन्नति से बाहर हुये फॉलन आउट अतिथि शिक्षकों को पुन: सेवा में लेने एवं पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं के आदेश जारी करने एवं वर्तमान क्षेत्र में नियुक्ति की आदेश जारी करने के संबंध में प्रशासन को अवगत कराया जायेगा। अतिथि शिक्षक संघ जिला मीडिया प्रभारी शशांक पाण्डेय ने बताया की सभी अतिथि शिक्षक आज 3 बजे पहलवान बाबा मंदिर परिसर में एकत्रित होगे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के पूर्व चिकित्सा अधिकारी ब्रा. डॉ. सोमेश्वर नाथ शुक्ला एवं शांति देवी शुक्ला की स्मृति में 142 वां नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आज बुधवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयुर्वेद एवं निदान सहित मधुमेह रोग पर नि:शुल्क रक्त शर्करा, हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड, बॉडी मास, मास पेशियों की जांच तथा योग प्रशिक्षण का आयोजन, शिवोम सोम शांति चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, 5 सिविल लाइन सागर में होगा। इच्छुक व्यक्ति इस शिविर का नि:शुल्क लाभ ले सकते हैं।

सड़क नहीं बनी तो भोपाल रोड करेंगे जाम, सांईं वाटिका कॉलोनी के रहवासी पहुंचे कलेक्ट्रेट

सागर, देशबन्धु। भोपाल रोड पर स्थित साईं वाटिका कॉलोनी के रहवासी मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। उन्होंने मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि राजीव नगर वार्ड में स्थित साईं वाटिका कॉलोनी सभी अनुमतियां लेकर बनाई गई है। कॉलोनी वैध है और नगर निगम को सौंपी गई थी। इस कॉलोनी में 160 परिवार रहते हैं। जिनमें करीब 800 लोग निवास करते हैं। यह कॉलोनी 2009 में बनी थी। बावजूद इसके अब तक कॉलोनी में न तो सड़क बनी है और न ही नालियां हैं। जिस कारण रहवासी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल रोड से कॉलोनी के अंदर आने-जाने वाले मुख्य मार्ग पर गड्ढे हैं। जिनमें बारिश का पानी जमा होता है। रहवासी आवागमन के लिये परेशान होते हैं। दुर्घटनाएं भी होती हैं। उन्होंने सीसी रोड बनाने की मांग की, कॉलोनी में नालियां नहीं हैं। जिस कारण से घरों से निकलने वाला गंदा पानी खाली प्लाट में जमा होता है। जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। बीमारी फैलने का खतरा रहता है। कॉलोनी में सीवर लाइन प्रोजेक्ट का लाभ नहीं मिला है, जिसे जल्द दिलाया जाये। कॉलोनी के रहवासियों ने कहा कि कई बार नगर निगम को आवेदन दे चुके हैं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आगामी 20 दिन में कॉलोनी की समस्याओं को समाधान नहीं किया गया तो रहवासी भोपाल रोड पर चक्काजाम करेंगे।

डॉ. मोनिका जैन पर लापरवाही पूर्वक इलाज करने का आरोप, एक माह बाद भी नहीं हुई कार्यवाही

मृतिका आजाद रानी के पति बिंदे चढ़ार ने कलेक्टर से कार्रवाई की मांग की

सागर, देशबन्धु। मीरा हॉस्पिटल की संचालिका डॉ. मोनिका जैन ने बिहारीपुरा निवासी मृतिका आजाद रानी चढ़ार का ऑपरेशन किया गया था। ऑपरेशन के बाद आजादरानी की तबीयत बिगड़ी और उसे भोपाल रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में परिजनों ने डॉ. मोनिका जैन पर लापरवाही की गंभीर आरोप लगाये थे। मामले की जांच भी की जा रही है, परिजनों का कहना है कि 1 महीने से जांच जा रही है लेकिन जांच पूरी नहीं हो पाई। मोतीनगर थाने में भी शिकायत की लेकिन कुछ कार्यवाही नहीं हुई जिस वजह मृतिका आजाद रानी के पति ग्राम कोटवार बिंदे चढ़ार व उनके परिजनों ने मंगलवार दोपहर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में आवेदन सौंपकर कलेक्टर से डॉ. मोनिका जैन पर दंडात्मक कार्यवाही कर न्याय दिलाने की मांग की है। बिंदे चढार ने आवेदन के माध्यम से बताया कि मृतिका आजाद रानी का ब्लड 6.3 पॉइंट होने के बावजूद भी डॉ. मोनिका जैन ने ऑपरेशन किया जबकि ऑपरेशन की जल्दी नही थी। ऑपरेशन के पहले सोनोग्राफी डॉ. खन्ना के यहां हुई थी उसमें केवल बच्चेदानी में गांठ थी, आजाद रानी का ऑपरेशन 6 मई को हुआ, ऑपरेशन के तुरंत बाद काफी तकलीफ बड़ी और पेट फूलने लगा। 11 मई को ऑपरेशन के 6 दिन बाद फिर सोनोग्राफी कराई जो निश्चित रूप से गंभीर लापरवाही है। ऑपरेशन के बाद फिर ब्लड कम हुआ इसका उन्होंने ना इलाज किया, ना ही कारण बताया। सोनोग्राफी में लिवर में सूजन आंतों में रुकावट और उसके बाद पानी आया जो पहले नहीं था इससे स्पष्ट होता है कि ऑपरेशन में लापरवाही हुई है लापरवाही के कारण केस बिगडा। पेशेंट का पेट फूला जैसे डॉक्टर ने गैस बात कर दवा दी और 5 दिन में मरीज की हालत गंभीर होती गई वही डॉ. अनिल तिवारी के यहां सोनोग्राफी करवाई तो गंभीरता का पता चला तो डिस्चार्ज कराकर भोपाल ले गये जहां भोपाल के डॉक्टरों ने जानकारी दी कि ऑपरेशन के दौरान आत कट गई है इस कारण मरीज की हालत गंभीर हुई। बिंदे चढ़ार ने आरोप लगाये कि मरीज की हालत गंभीर होने पर भी सही इलाज नहीं किया और गैस का इलाज डॉक्टर मोनिका जैन करती रही।

बस ड्राइवर के सूने मकान में चोरी

सागर, देशबन्धु। गोपालगंज थाना क्षेत्र के लाजपतपुरा वार्ड में बस ड्राइवर के घर में चोरों ने सेंध लगाई। चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और घर में रखे गहने और नकद रुपये लेकर भाग गये। वारदात सामने आते ही फरियादी ने थाने पहुंचकर शिकायत की। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार फरियादी बिट्टू पिता प्रहलाद पटेल 25 वर्ष निवासी पावर हाउस के सामने लाजपतपुरा वार्ड ने थाने आकर शिकायत की। शिकायत में बताया कि वह स्कूल बस चलाता है। सुबह करीब 6 बजे घर का ताला लगाकर विदिशा जाने के लिये घर से निकला था। लेकिन कटरा जाने के बाद प्लान बदल गया और मैं विदिशा नहीं गया। दोस्तों से मिलकर कटरा से सीधे घर लौट आया। सुबह करीब 9 बजे वापस घर पहुंचा तो दरवाजे का ताला टूटा था। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था, अलमारी खुली थी। अलमारी में रखी चांदी की करधनी, एक जोड़ी पायल, सोने का मंगलसूत्र, 10 साड़ियां, कपड़े, चांदी की एक छोटी व एक बड़ी अंगूठी, एक चांदी की चेन और करीब 15 हजार रुपये नकद नही थे। मामले की शिकायत मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एफएसएल टीम ने वारदातस्थल से आरोपियों के साक्ष्य जुटाये हैं। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

ताले तोड़कर घर में घुसे बदमाश गहने और नकदी चोरी

सागर, देशबन्धु। मकरोनिया थाना क्षेत्र के दीनदयाल नगर में चोरों ने तीन सूने मकानों में सेंध लगाकर लाखों रुपये के गहने और सामान चोरी कर लिये। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ब्रजेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह पड़ोसियों से उनके घर का ताला टूटने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर कमरों में सामान बिखरा मिला और अलमारी खुली थी। चोर करीब 3 लाख रुपये के गहने, नकदी और अन्य सामान ले गये। एक अन्य पीड़ित प्रदीप नामदेव ने बताया कि उनके जीजा के सूने मकान से चोर गहने, टीवी और अन्य सामान चुरा ले गये। सूचना मिलते ही मकरोनिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम को बुलाया। टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाये। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में एक संदिग्ध कार नजर आई है, जिसकी जानकारी पुलिस जुटा रही है।

मुस्कान व कायाकल्प कार्यक्रम : जिले की 17 स्वास्थ्य संस्थानों को मिला पुरस्कार

सागर, देशबन्धु। नरोन्हा अकादमी भोपाल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा एनक्यूएएस लक्ष्य, मुस्कान एवं कायाकल्प अवार्ड फंक्शन का आयोजन किया गया जिसमें सागर जिले की 17 स्वास्थ्य संस्थानों को अवार्ड मिला जिसमें जिला चिकित्सालय सागर को एनक्यूएएस लक्ष्य मुस्कान के नेशनल सर्टिफिकेशन एवं कायाकल्प के लिये अवार्ड मिला एवं सिविल अस्पताल खुरई, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवरी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ढाना एवं 10 सब हेल्थ सेंटर को एनक्यूएएस नेशनल सर्टिफिकेशन के लिये अवार्ड से नवाजा गया। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल एवं मिशन संचालक डॉ. सलोनी सीडाना द्वारा अवार्ड वितरित किया गया। जिसमें सागर जिले से क्षेत्रीय संचालक डॉ. नीना गीडीयन, सीएमएचओ डॉ. ममता तिमोरी, सिविल सर्जन डॉ. आर एस जयंत, क्वालिटी नोडल डॉ. विपिन खटीक, डीपीएम डॉ. अभिषेक यादव, बीएमओ डॉ. रामजी ठाकुर एवं डॉ. अंकित बोहरे ने अवार्ड ग्रहण किया।

श्री भक्तमाल कथा का आमंत्रण विधायक को दिया

सागर, देशबन्धु। श्री भक्तमाल कथा संत समागम का विराट आयोजन 2 से 10 जुलाई तक स्वामी किशोरदास देव जू महाराज श्री गोरीलाल कुंज श्रीधाम वृन्दावन के सानिध्य में संपन्न होने जा रहा है। श्री देवराहा बाबा सिद्ध प्रांगण होटल रियार्थ इन बम्होरी रेंगुआ सागर में जिसको लेकर शिष्य मंडल ने विधायक प्रदीप लारिया को कथा का आमंत्रण दिया। इस अवसर पर पं. अजय दुबे, डॉ. अनिल तिवारी, शैलेष केशरवानी, भरत तिवारी सहित शिष्य मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

सागर, देशबन्धु। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन, महामंत्री सतीष जैन, मंत्री शिवा यादव ने मंगलवार को सिहोरा पहुंचकर श्री 1008 चंद्रप्रभु जिनालय में विराजमान पट्टाचार्य विशुद्ध सागर के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। विशुद्ध सागर महाराज ससंघ का बुधवार को सिहोरा से सागर के लिये पद बिहार होगा एवं कल सागर आगमन होगा।

यात्री बसों के 76 स्थाई परमिटों के आवेदन पत्रों की सुनवाई हुई: आरटीओ

सागर, देशबन्धु। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मनोज कुमार तेहनगुरिया ने बताया कि क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के अध्यक्ष संभागायुक्त डॉ. वीरेन्द्र सिंह रावत द्वारा यात्री बसों के 76 स्थायी परमिटों के आवेदन पत्रों की सुनवाई की गई। उक्त बैठक में वाहनस्वामी तथा उनके पक्ष समर्थन हेतु अभिभाषकगण उपस्थित हुये। उल्लेखनीय है कि क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार, सागर संभाग सागर, मप्र राज्य का एक प्रमुख प्राधिकार है, जिसके अंतर्गत मार्ग सतना से इंदौर, सीधी से इंदौर, जबलपुर से इंदौर, जबलपुर से सागर, खजुराहो से इंदौर जैसे लम्बी दूरी के मार्गो पर संचालित यात्री बसों को 5 वर्ष की अवधि के लिये स्थायी परमिट जारी किये जाते है। जिससे जनता को लोक परिवहन की सुविधा उपलब्ध होती है। मंगलवार की बैठक का संचालन सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सागर द्वारा किया गया। बैठक में आवेदक एवं आपत्तिकर्ताओं के पक्ष को संक्षेप में सुना गया। इसके पश्चात् लिखित बहस के लिये 27 जून तक का समय नियत किया गया, जिसके पश्चात समस्त प्रकरणों का गुण दोषों के आधार पर निराकरण किया जावेगा।

निगमायुक्त ने जल भराव स्थलों व जर्जर भवन का निरीक्षण कर भवन स्वामी को नोटिस देने के दिए निर्देश

पंतनगर वार्ड में जर्जर व क्षतिग्रस्त मकान को गिराने की कार्रवाई की गई

सागर, देशबन्धु। निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने मंगलवार को सुबह शहर में ऐसे स्थानों का निरीक्षण किया जहां पर बारिश के दौरान जल का जमाव होता है, उन्होंने डिग्री कॉलेज के सामने, दीनदयाल चौराहा, बस स्टैंड, कटरा बाजार, अप्सरा टाकीज रेलवे अंडर ब्रिज, भगवानगंज एवं गुरु गोविंद सिंह वार्ड का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि बारिश के दौरान कहीं भी जलभराव की स्थिति निर्मित न हो। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने गुरु गोविंद सिंह वार्ड में रसीद भाईजान के जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवन की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित भवन स्वामी को नोटिस देने के निर्देश दिये। पंतनगर वार्ड में जर्जर एवं क्षतिग्रस्त मकान को तोड़ने की कार्यवाही की गई। नगर निगम की अतिक्रमण टीम द्वारा पंतनगर वार्ड में मुंशी विश्वकर्मा के जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवन को टूंडला की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही विभिन्न वार्डों में जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों में लाल स्याही से निशान लगाकर भवन स्वामियों को नोटिस देने की कार्यवाही की गई। मंगलवार को शनीचरी वार्ड में सुनील कुमार बसंत कुमार साहू, असरफ, अरसद पिता अकबर खान, फजल एवं रमेश कुमार चंद्र कुमार नरेंद्र कुमार अशोक कुमार पिता लक्ष्मी चंद्र सिंघई, विट्ठल नगर वार्ड में भागवती अहिरवार, शंकर अहिरवार, सच्चानंद अहिरवार, गुरु गोविंद सिंह वार्ड में श्री राय, रसीद भाईजान, भगवान गंज वार्ड में उमाकांत विश्वकर्मा, उदयचंद्र जीवन अहिरवार, कोमल कंछेदी अहिरवार, गोपाल कोरी द्वारका कोरी एवं तिलकगंज वार्ड में जीर्णशीर्ण, जर्जर क्षतिग्रस्त वार्ड भवनों का संबंधित वार्ड के इंजीनियर द्वारा निरीक्षण कर लाल स्याही से क्रास लगाकर चिन्हित किया गया तथा भवन स्वामियों एवं रहवासियों को चेतावनी दी गई कि उक्त जर्जर भवन में निवास न करें, उसे खाली कर दें जिससे बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि की संभावना न रहे।

नगर निगम द्वारा जर्जर भवन पर लगाए निशान को मिटाया

इंद्रानगर वार्ड में स्थित जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवन में निवास करने वाले किरायेदार रेखा पति अशोक गौतम द्वारा नगर निगम के इंजीनियर के निरीक्षण उपरांत लाल स्याही से क्रास का निशान लगाने के उपरांत उसे मिटा दिया गया। लाल स्याही का निशान मिटाने पर संबंधित किरायेदार रेखा पति अशोक गौतम के विरूद्ध नगर निगम द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली*
प्रबंध संपादक डॉ. योगेश दत्त तिवारी फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।